मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 125
मंगलवार, 17 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

कोई हमपर अपनी शर्तें न थोपे, इसलिए भारत बनना चाहता है 'नंबर वन' देश : उपराष्ट्रपति

कटक, 16 नवम्बर। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने सोमवार को कहा कि भारत दुनिया का 'नंबर वन' देश बनना चाहता है, ताकि कोई अन्य देश उस पर अपनी शर्तें न थोप सके। राधाकृष्णन ने यहां श्री श्री यूनिवर्सिटी परिसर में नई 'आइकॉनिक टावर' शैक्षणिक इमारत का उद्घाटन करने के बाद, एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उपराष्ट्रपति ने कहा, '' हर किसी के मन में एक सवाल है: हम दुनिया का नंबर वन राष्ट्र क्यों बनना चाहते हैं? इसके पीछे एक सरल, स्पष्ट और सांस्कृतिक विचार यह है कि हम दूसरों पर अपनी शर्तें नहीं थोपना चाहते, लेकिन किसी को भी हमारी 'भारत माता' पर भी अनावश्यक शर्तें नहीं थोपनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि एक



विकसित भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी आत्मविश्वास, क्षमता और वैश्विक नेतृत्व के साथ मनाना चाहता है। उन्होंने कहा, "दूसरों की मदद करना हमारी संस्कृति का एक बहुत ही अहम हिस्सा है। सभी को साथ लेकर चलना भी हमारी संस्कृति का मूल तत्व है।''उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा को हासिल करने में शिक्षण संस्थानों की परिवर्तनकारी भूमिका पर बार-बार जोर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से, पिछले 12 वर्षों में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जबरदस्त विस्तार हुआ है। राधाकृष्णन ने कहा कि 2014 में विश्वविद्यालयों की संख्या 760 थी, जो अब बढ़कर 1,400 हो गई है। वहीं, इसी अवधि में आईआईटी की संख्या 16 से बढ़कर 23, आईआईएम की संख्या 13 से बढ़कर 22 और एम्स की संख्या सात से बढ़कर 13 हो गई है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की संख्या भी 2014 के 3.42 करोड़ से बढ़कर 4.5 करोड़ हो गई है। महिला शिक्षा का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि विभिन्न संस्थानों में छात्राएं छात्रों से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं और अधिक पदक जीत रही हैं। इस कार्यक्रम में ओडिशा के राज्यपाल ब्रजमोहन राम, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, श्री श्री यूनिवर्सिटी के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर तथा कई सांसद एवं विधायक भी मौजूद थे।

तेज रफ्तार कार कई बार पलटने के बाद खंभे से टकराई, 2 लोगों की मौत

मोरबी। गुजरात के मोरबी जिले में एक तेज रफ्तार कार राजमार्ग पर कई बार पलटने के बाद बिजली के खंभे से टकरा गई, जिसके कारण दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। शनिवार सुबह टंकारा के पास हुए इस भीषण हादसे का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया । पुलिस के मुताबिक, तीनों युवक राजकोट के रहने वाले थे और काम के सिलसिले में मोरबी जा रहे थे।

पुलिस ने कहा कि इसी दौरान एक मोड़ पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई और कई बार पलटते हुए बिजली के खंभे से जा टकराई। टंकारा थाने के एक अधिकारी ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार तीन लोगों में से दो उछलकर बाहर गिर गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

यमुना में 520 नालों का गंदा पानी आ रहा, सुप्रीम कोर्ट ने दी सख्त चेतावनी

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने यमुना में प्रदूषण को लेकर अधिकारियों से सवाल किया है और इस बात पर जोर दिया है कि नदी की सफाई पर भारी रकम खर्च करने के बावजूद, यह अब भी प्रदूषित बनी हुई है। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि जो राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और अधिकारी यमुना में प्रदूषण रोकने में नाकाम रहेंगे, उन्हें जुमार्ने का सामना करना पड़ेगा। न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की दो-सदस्यीय पीठ ने 4 नवंबर के एक आदेश में ये टिप्पणियां कीं। पीठ ने कहा नदी के किनारे बसे कस्बों, शहरों और गांवों के नागरिक प्रशासन में जो भी कमियां हैं, वे नदी की खराब हालत और यमुना में गंदा पानी गिराने वाले 520 (पांच सौ बीस) नालों से साफ झलकती हैं। यही वजह है कि नदी की सफाई पर भारी रकम खर्च करने के बावजूद, यमुना में प्रदूषण कम होने के बजाय



और बढ़ गया है।

औद्योगिक प्रदूषण और बिना उपचार किए गए सीवेज (गंदे पानी) के मुद्दे पर, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इन्हें इनके स्रोत पर ही कम किया जाना चाहिए, या पूरी तरह से रोक दिया जाना चाहिए। जहाँ ऐसा करना संभव न हो, वहाँ सीवेज को पहले इकट्ठा (टैप) करके उसका उपचार (ट्रीटमेंट) किया जाना चाहिए। हालाँकि, अदालत ने यह भी कहा कि एक मजबूत सीवेज प्रणाली के अभाव में और बारिश के पानी की नालियों के सीवेज नालियों से जुड़े होने के कारण, सीवेज को इकट्ठा करना एक बड़ी चुनौती बनी रहेगी। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि अतिक्रमण करके बसाई गई अधिकांश अवैध और अनधिकृत कॉलोनियों में नगर निकायों के लिए सीवेज को इकट्ठा करना (टैप करना) मुश्किल, बल्कि असंभव होगा।

ऐसा इसलिए है क्योंकि ये कॉलोनियाँ किसी व्यवस्थित ग्रिड लेआउट के अनुसार नहीं बनी हैं और इनमें सीवेज प्रणाली बिछाने के लिए शायद ही कोई जगह बची है।

शाहजहांपुर के केमिस्ट से 25 लाख रुपये घूस मांगने के आरोप में एनसीबी के दो उपनिरीक्षक गिरफ्तार

शाहजहांपुर, 16 नवम्बर। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शाहजहांपुर के एक मेडिकल स्टोर संचालक को मादक पदार्थों के एक मामले में नहीं फंसाने के एवज में 25 लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के दो उपनिरीक्षकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जांच एजेंसी ने स्वापक नियंत्रण ब्यूरो की दिल्ली क्षेत्रीय इकाई की ओर से 16 जुलाई 2026 को स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत एक नोटिस जारी किया गया था। उसने जरूरी दस्तावेजों के साथ इस नोटिस का जवाब दिया था।

शिकायतकर्ता शाहजहांपुर में मेडिकल स्टोर चलाता है। उसने आरोप लगाया कि उसे स्वापक नियंत्रण ब्यूरो की दिल्ली क्षेत्रीय इकाई की ओर से 16 जुलाई 2026 को स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत एक नोटिस जारी किया गया था। उसने जरूरी दस्तावेजों के साथ इस नोटिस का जवाब दिया था।

डाक से सितंबर में मिले इस नोटिस में डाइसाइक्लोमाइन ट्रामाडोल एचसीएल कैप्सूल की खरीद और बिक्री से संबंधित दस्तावेज मांगे गए थे। प्राथमिकी के अनुसार, मीणा एक टीम के साथ मेडिकल स्टोर पहुंचा और सात अक्टूबर को वही नोटिस दोबारा दिया। शिकायतकर्ता ने अधिकारी को बताया कि वह पहले ही नोटिस का जवाब दे चुका है और संबंधित दस्तावेज जमा करा चुका है।

आरोप है कि मीणा ने उसके जवाब को नजरअंदाज कर दिया और स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज होने पर कम से कम 10 साल की जेल होने की धमकी दी। उसने शिकायतकर्ता को दिल्ली में एक स्थान पर पेश होने का निर्देश दिया, जिसकी जानकारी बाद में देने की बात कही। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि इसके बाद मीणा ने व्हाट्सऐप के जरिये शिकायतकर्ता से संपर्क किया और स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के मामले में नहीं फंसाने के एवज में 50 लाख रुपये की रिश्वत मांगी।

इसमें कहा गया है कि सीबीआई की गोपनीय जांच में पुष्टि हुई कि मीणा ने कथित तौर पर 25 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी और 12 लाख रुपये की पहली किस्त लेने पर सहमति जताई थी। यह रकम दिल्ली में मुनिरका मेट्रो स्टेशन के पास दी जानी थी।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर वक्ताओं ने मीडिया को सनसनी की बजाय जिम्मेदारी से काम करने का दिया मूलमंत्र

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। डिजिटल मीडिया की तेज रफ्तार, सोशल मीडिया पर सूचनाओं की बाढ़, फेक न्यूज और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से पैदा हो रही नई चुनौतियों के बीच राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर पत्रकारिता की विश्वसनीयता और जवाबदेही का सवाल केंद्र में रहा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में मीडिया की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने मीडिया संस्थानों और पत्रकारों से बदलती तकनीक के अनुरूप खुद को तैयार करने तथा पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों को बनाए



रखने का आह्वान किया।

हम आपको बता दें कि नई दिल्ली स्थित आकाशवाणी भवन के रंग भवन सभागार में प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित राष्ट्रीय प्रेस दिवस समारोह में इस वर्ष की थीम 'पत्रकारिताः सनसनी या जिम्मेदारी' रही। कार्यक्रम में प्रेस काउंसिल की अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव चंचल कुमार, वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा और राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी सहित कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तकनीकी बदलावों की रफ्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि आने वाले पांच वर्षों में दुनिया उतना बदलाव देख सकती है, जितना पिछले दो दशकों में हुआ है। ऐसे में पत्रकारिता जगत के सामने चुनौती केवल नई तकनीक अपनाने की नहीं, बल्कि उसके दुरुपयोग को रोकने की भी है। उन्होंने डीपफेक, भ्रामक विज्ञापनों, गलत सूचनाओं, डिजिटल अरेस्ट और बच्चों को प्रभावित करने वाले ऑनलाइन कंटेंट पर चिंता जताई। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म के मौजूदा कम्युनिटी गाइडलाइंस इन चुनौतियों से निपटने के लिए पर्याप्त हैं? उन्होंने कहा कि इस पर गंभीर विचार-विमर्श जरूरी है कि डिजिटल दुनिया में नागरिकों के हितों की रक्षा और प्लेटफॉर्म की जवाबदेही कैसे सुनिश्चित की जाए।

साथ ही समारोह में वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा ने पत्रकारिता के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौती की ओर ध्यान खींचा। उन्होंने कहा कि सनसनी और जिम्मेदारी के बीच एक बेहद महीन रेखा है, जिसे पार करने का खामियाजा पत्रकारिता की विश्वसनीयता को भुगतना पड़ता है। आपातकाल, 26/11 मुंबई आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में संयम, संवेदनशीलता और तथ्यों का सत्यापन बेहद जरूरी है। उनका संदेश था, 'कम शोर, ज्यादा खबर; कम सनसनी, ज्यादा जिम्मेदारी।'

वहीं प्रेस काउंसिल की अध्यक्ष न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई ने भी पत्रकारिता के नैतिक मानकों और प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा को परिषद की प्राथमिकता बताया।

यूपी: सीटों को लेकर सपा-कांग्रेस में खींचतान, कांग्रेस ने मांगीं 181 सीटें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के मद्देनजर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर खींचतान शुरू हो गई है। दोनों दलों के बीच मंगलवार को दिल्ली में पहली बैठक होनी है, लेकिन इससे पहले ही सीटों को लेकर दबाव की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस ने सपा को 57 जिलों की 181 सीटों की एक गोपनीय सूची सौंपी है, जो सोमवार को सोशल मीडिया पर लीक हो गई। इस सूची में कांग्रेस ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वांचल और बुंदेलखंड सहित विभिन्न क्षेत्रों की सीटें मांगी हैं। सूत्रों के मुताबिक, सपा ने भी कांग्रेस को जवाब देते हुए उत्तराखंड में 30 सीटों पर दावा ठोंका है। सपा की उत्तराखंड के लिए प्रस्तावित सूची में सामान्य वर्ग के लिए 25, अनुसूचित जाति (SC) के लिए 4 और अनुसूचित जनजाति (ST) के लिए



एक सीट शामिल है। सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई एक बैठक के बाद राहुल गांधी ने कहा कि सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर अभी कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि INDIA गठबंधन मिलकर चुनाव लड़ेगा और सभी दलों का सम्मान करते हुए सीटों का तालमेल बैठाया जाएगा, जिसमें सबसे अच्छे उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे जाएंगे।

हिंद-प्रशांत में भारत की ताकत बढ़ाने निकले मोदी, फिलीपीन पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

मनीला, 16 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को दो महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलनों में हिस्सा लेने के लिए फिलीपीन पहुंचे, जिनका उद्देश्य दक्षिण-पूर्व एशियाई और पूर्वी एशियाई देशों के साथ संबंधों को मजबूत करना तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा करना है। मोदी मंगलवार को 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। वह फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के निमंत्रण पर यहां पहुंचे हैं। विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, '' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए फिलीपीन की राजधानी मनीला पहुंचे। वहां पहुंचने पर, फिलीपीन के सूचना और संचार प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव, रॉबर्ट जोसेफ 'जे' मोंटेस डी क्लारो ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया।'' इसने लिखा, ''यह यात्रा आसियान के साथ भारत की साझेदारी को उसकी 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और 'भारत-प्रशांत दृष्टि' के एक आधारस्तंभ के रूप में फिर से पुष्ट करती है।'' सोमवार को मनीला



रवाना होने से पहले मोदी ने कहा कि आसियान देशों के साथ भारत के संबंध उसकी 'एक्ट ईस्ट' नीति के केंद्र में हैं और 'महासागर' विजन में भी इनका महत्वपूर्ण स्थान है। 'महासागर' का अर्थ विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र प्रगति है। यह भारत का विस्तारित वैश्विक समुद्री दृष्टिकोण है। फिलीपीन रवाना होने से पहले जारी अपने बयान में मोदी ने कहा कि वह ''आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में अन्य नेताओं के साथ मिलकर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत हुई प्रगति को आगे बढ़ाने और विकास, संपर्क तथा समृद्धि के साझा लक्ष्यों को नयी गति देने के लिए ''उत्सुक हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध



TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
34+ Years of Academic Excellence
Experienced & Dedicated Faculty
Personal Attention
Printed Notes & Regular Tests
Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW



(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

वंतारा से गौ सेवा तक अनंत अंबानी की मानवीय सेवा यात्रा



-ललित गर्ग

आज जब दुनिया व्यापार को प्रायः लाभ, प्रतिस्पर्धा, विस्तार और बाजार की भाषा में परिभाषित करती है, तब अनंत अंबानी का व्यक्तित्व इस स्थापित धारणा के सामने एक अलग प्रश्न खड़ा करता है-क्या बड़ी आर्थिक सफलता के साथ बड़ी मानवीय संवेदना भी संभव है? क्या अरबों-खरबों की व्यावसायिक दुनिया में करुणा, जीवदया, सेवा और पर्यावरण-संरक्षण केवल सामाजिक उत्तरदायित्व के औपचारिक शब्द रहेंगे या वे जीवन-दर्शन का हिस्सा बन सकते हैं? अनंत अंबानी की गतिविधियाँ इस प्रश्न का एक सकारात्मक उत्तर देती दिखाई देती हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन से जुड़े अनंत अंबानी आज केवल व्यापारिक उत्तराधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि पशु कल्याण, जीवदया और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। उनकी सबसे चर्चित पहल वंतारा-स्टार ऑफ द फॉरेस्ट है, जो गुजरात के जामनगर में लगभग 3,500 एकड़ क्षेत्र में विकसित पशु बचाव, उपचार, पुनर्वास और संरक्षण का विशाल केंद्र है। हाल ही में केरल की 18 महीने की बीमार और घायल नन्हीं हथिनी ह्यमायाह्न की जान बचाने के लिए उसे एयरलिफ्ट कराकर जामनगर स्थित अपने वन्यजीव पुनर्वास केंद्र वंतारा में भर्ती कराया है। रिलायंस फाउंडेशन के अनुसार वंतारा में 1.5 लाख से अधिक पशुओं और 2,000 से अधिक प्रजातियों की देखभाल की जा रही है तथा इसके लिए हजारों विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों और देखभालकताओं की टीम कार्यरत है।

लेकिन अनंत अंबानी की चर्चा केवल वंतारा तक सीमित नहीं है। हाल में उनके गौसेवा संबंधी वक्तव्य ने देश का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। एक वायरल वीडियो में उन्होंने लगभग नौ लाख गायों की देखभाल से जुड़े होने की बात कही, जिनमें करीब सात लाख गायें ऐसी बताई गईं जो दूध नहीं देतीं या आर्थिक दृष्टि से उपयोगी नहीं हैं। उन्होंने घायल एवं संकटग्रस्त गायों के बचाव के लिए लगभग 100 एम्बुलेंस और आठ राज्यों में सक्रिय बचाव-व्यवस्था का भी उल्लेख किया। यहीं अनंत की सोच का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। जो पशु दूध नहीं देता, जिसकी आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो गई है, क्या उसका जीवन भी कम मूल्यवान हो जाता है? बाजार की सामान्य मानसिकता शायद इस प्रश्न का उत्तर उपयोगिता से देगी, लेकिन जीवदया की भारतीय परंपरा इसका उत्तर अस्तित्व के सम्मान से देती है।

अनंत अंबानी की गौसेवा की चर्चा इसी बिंदु पर एक व्यापक सामाजिक विमर्श को जन्म देती है-किसी जीव का मूल्य उसकी उत्पादकता से नहीं, उसके जीवन से तय होना चाहिए। यह विचार आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। व्यापार की सफलता का अर्थ केवल अधिक उत्पादन और अधिक लाभ नहीं होना चाहिए, उसके साथ यह प्रश्न भी जुड़ना चाहिए कि उस सफलता से समाज, प्रकृति और जीव-जगत को क्या मिला। यदि पूंजी संवेदना से जुड़ती है, तकनीक करुणा के साथ चलती है और उद्योग पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी बनता है, तो व्यापार केवल आर्थिक संस्था नहीं रहता, वह सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। अनंत अंबानी की दिनचर्या से जुड़ी बातें भी इसी संवेदनशीलता की ओर संकेत करती हैं। उन्होंने बताया है कि घर से निकलने से पहले वे गायों की मालिश करते हैं और उनके घर में छह गायें हैं, जिन्हें वे स्वयं अपने हाथों से भोजन कराते हैं। यह बात प्रतीकात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण है। बड़े उद्योग-घराने की सुविधाओं में रहने वाला कोई युवा यदि अपने दैनिक जीवन में किसी पशु के साथ प्रत्यक्ष जुड़ाव को स्थान देता है, तो वह सेवा को केवल दान की गतिविधि नहीं रहने देता, उसे व्यक्तिगत संस्कार में बदल देता है।

वंतारा इस व्यक्तिगत संवेदना का संस्थागत और वैज्ञानिक विस्तार दिखाई देता है। यहां पशुओं के उपचार, पुनर्वास और संरक्षण के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ विकसित की गई हैं। रिलायंस की आधिकारिक जानकारी के अनुसार वंतारा में विशेषीकृत वन्यजीव अस्पताल, पशु चिकित्सा सुविधाएँ, प्रयोगशालाएँ, पोषण केंद्र और संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम भी संचालित हैं। यानी यह केवल ह्यपशुओं को बचानेह्न की भावना नहीं है, इसके साथ विज्ञान, चिकित्सा, जैव-विविधता और दीर्घकालीन संरक्षण को जोड़ा गया है। यही वह जगह है जहाँ परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम दिखाई देता है। भारतीय संस्कृति कहती है-ह्यअहिंसा परमो धर्मःह्न, जबकि आधुनिक विज्ञान कहता है कि जैव-विविधता का संरक्षण मानव सभ्यता के भविष्य के लिए आवश्यक है। वंतारा इन दोनों विचारों को एक साझा धरातल देता है।

इसी सोच का विस्तार अक्टूबर 2026 में आरंभ हुई ह्यचैंपियंस ऑफ केयरह्न पहल में भी दिखाई देता है। विश्व पशु दिवस के अवसर पर शुरू की गई इस पहल के अंतर्गत 50 से अधिक पशु कल्याण संगठनों को साथ लाने का प्रयास किया गया है, जो सामुदायिक कुत्तों, बिल्लियों, मवेशियों और अन्य पशुओं के लिए चिकित्सा, बचाव और दीर्घकालीन देखभाल का काम करते हैं। इसका लक्ष्य पशु कल्याण को केवल एक बड़े केंद्र तक सीमित रखने के बजाय देशभर के जमीनी संगठनों तक सहायता पहुँचाना है। यहाँ अनंत अंबानी के दृष्टिकोण की एक और विशेषता दिखाई देती है-केंद्रीकरण से सहयोग की ओर बढ़ना। यदि देश में पहले से काम कर रहे छोटे-छोटे पशु कल्याण संगठन संसाधनों के अभाव में संघर्ष कर रहे हैं, तो उन्हें खत्म करने के बजाय मजबूत करना अधिक प्रभावी सामाजिक मॉडल है। यही मॉडल भविष्य में पशु कल्याण के लिए एक राष्ट्रीय नेटवर्क का आधार बन सकता है।

अनंत की सोच को केवल भावुकता कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो इतने बड़े पशु-कल्याण अभियानों की वास्तविक कसौटी पारदर्शिता, वैज्ञानिक मानक, पशु-अधिकार, दीर्घकालीन पुनर्वास, जैव-सुरक्षा और स्वतंत्र मूल्यांकन होगी। वंतारा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ प्रश्न और बहसें भी हुई हैं, इसलिए ऐसे विशाल संस्थानों के लिए पारदर्शिता और प्रमाण-आधारित संचालन उतना ही आवश्यक है जितना करुणा। यही आलोचनात्मक कसौटी किसी भी बड़े परोपकारी प्रयास को अधिक विश्वसनीय बनाती है। करुणा भाव है, लेकिन करुणा का स्थायी प्रभाव व्यवस्था से पैदा होता है। इसीलिए अनंत अंबानी के बारे में यह कहना अधिक उचित होगा कि वे व्यापार की पुरानी परिभाषा को अस्वीकार करने के बजाय उसमें एक नया आयाम जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि उन्होंने स्वयं सिद्ध कर दिया है कि हर बड़ा व्यापार ईमानदारी और नैतिकता से ही चलता है, पर यह अवश्य कहा जा सकता है कि उनका सार्वजनिक आचरण यह संदेश देता है कि व्यावसायिक महत्वाकांक्षा और मानवीय संवेदना एक-दूसरे की विरोधी नहीं हैं।

अनंत अंबानी के व्यक्तित्व का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम उनके हालिया जियो संबोधन में सामने आया। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता के अवसर पर उन्होंने सफलता का श्रेय केवल परिवार या प्रबंधन को नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों को दिया। उन्होंने व्यापार को पूजा और शेयर बाजार की घंटी को मंदिर की घंटी से जोड़ते हुए कहा कि पूजा का प्रसाद बांटा जाता है और ह्यआज जियो भारत के साथ साझा किया गया है। उनके संबोधन के दौरान मुकेश अंबानी भावुक होकर आँसू पोंछते दिखाई दिए। यह प्रसंग महज पारिवारिक भावुकता नहीं था। इसमें व्यापार के अर्थ की एक नई व्याख्या छिपी थी-व्यापार केवल मालिक का नहीं, उससे जुड़े करोड़ों लोगों का भी होता है। जियो की सफलता को उन्होंने कर्मचारियों, तकनीशियनों, सेवा-कर्मियों, खुदरा भागीदारों और सामान्य भारतीयों की भागीदारी से जोड़ा। यही दृष्टि व्यापार को मैं से हम की ओर ले जाती है। एचएफसीएल के अध्यक्ष एवं दूरसंचार क्षेत्र के वरिष्ठ उद्योगपति महेंद्र नाहटा लंबे समय से जियो की यात्रा से जुड़े रहे हैं और रिलायंस जियो इन्फोकॉम के निदेशक मंडल में भी रहे हैं। उनके दृष्टिकोण से अनंत अंबानी की सबसे उल्लेखनीय विशेषता यह मानी जा सकती है कि उन्होंने तकनीक और व्यवसाय की आधुनिक दुनिया को सेवा, संस्कार और संवेदना से जोड़ने की कोशिश की है। जियो की ऐतिहासिक सफलता के अवसर पर अनंत के भावपूर्ण संबोधन में नाहटा ने भी भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और मानवीय संवेदना के संगम की झलक देखी-ऐसा विचार उनके हालिया लेख में व्यक्त हुआ है। अनंत ने एक महत्वपूर्ण बहस शुरू कर दी है-क्या कारोबार का अंतिम लक्ष्य केवल लाभ है, या लाभ के साथ लोकमंगल भी? यदि व्यापार में तकनीक हो, तो वह विकास बनता है। उसमें पूंजी हो, तो वह विस्तार बनता है। लेकिन उसमें करुणा जुड़ जाए, तो वही व्यापार सेवा का माध्यम बन सकता है। अनंत अंबानी की गौसेवा, वंतारा और सामुदायिक पशु कल्याण की पहलें इसी संभावित परिवर्तन की कहानी कहती हैं।

ढाका की बदलती बिसात और नई दिल्ली की कूटनीतिक परीक्षा



अशोक भाटिया

दक्षिण एशिया की राजनीति में इतिहास खुद को दोहराता नहीं है, बल्कि कई बार ऐसी करवट लेता है कि पुराने समीकरण धराशायी हो जाते हैं और नई चुनौतियां सामने आ खड़ी होती हैं। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा आगामी दिसंबर में स्वदेश लौटने की घोषणा और इसके तुरंत बाद उनके पैतृक जिले गोपालगंज सहित देश के विभिन्न हिस्सों में भड़की हिंसा ने एक बार फिर इस पड़ोसी देश को अस्थिरता के मुहाने पर ला खड़ा किया है। अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन और जनविद्रोह के बाद भारत में निर्वासित जीवन बिता रहीं उनासी वर्षीय शेख हसीना का यह कदम केवल एक व्यक्ति की घर वापसी की इच्छा भर नहीं है, बल्कि यह ढाका की नवनिर्वाचित तारिक रहमान सरकार की प्रशासनिक क्षमता, बांग्लादेश की न्यायिक व्यवस्था और भारत की विदेश नीति के सामने एक बेहद जटिल और संवेदनशील परीक्षा की घड़ी है।

हाल ही में नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग में अपने वकीलों के माध्यम से नए पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र के लिए आवेदन करके शेख हसीना ने स्पष्ट कर दिया है कि वे कानूनी और राजनीतिक मोर्चे पर आर-पार की लड़ाई लड़ने का मन बना चुकी हैं। यह जानते हुए भी कि नवंबर 2025 में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने जुलाई-अगस्त 2024 के प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों के मामले में उनकी अनुपस्थिति में उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई है, हसीना का अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने का इरादा कई गहरे राजनीतिक निहितार्थ रखता है। दूसरी ओर, फरवरी के आम चुनावों के बाद सत्ता में आई प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार ने इस आवेदन को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें पासपोर्ट जारी करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। बांग्लादेश के कानून मंत्री मोहम्मद असदुज्जमां ने यह कहकर गेंद भारत के पाले में डाल दी है कि ढाका ने प्रत्यर्पण की सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं और अब अंतिम निर्णय नई दिल्ली को लेना है। उन्होंने वर्ष 1973 के विशेष कानून का हवाला देते हुए यह भी दोहराया है कि मानवता के विरुद्ध अपराध के दोषियों को अपनी सजा के खिलाफ अपील करने का अधिकार नहीं मिल सकता।

इस राजनीतिक और कानूनी रस्साकशी का सीधा असर बांग्लादेश की सड़कों पर दिखाई देने लगा है। शेख हसीना की वापसी की खबर फैलते ही उनकी प्रतिबंधित पार्टी अवामी लीग और छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने गोपालगंज में जिस तरह सुरक्षा बलों के बख्तरबंद वाहनों में आग लगाई, पुलिस चौकियों में तोड़फोड़ की, सत्तारूढ़ बीएनपी के दफ्तरों को निशाना बनाया और अगस्त 2024 की क्रांति के स्मारकों को क्षतिग्रस्त किया, वह इस बात का संकेत है कि बांग्लादेश का समाज अब भी गहरे ध्रुवीकरण का शिकार है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सरकार को न केवल बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश की कई टुकड़ियां तैनात करनी पड़ीं और जिले के उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक को हटाना पड़ा, बल्कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान को हालात की समीक्षा के लिए आपात कैबिनेट बैठक तक बुलानी पड़ी। यह घटनाक्रम दशार्ता है कि अवामी लीग को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखने और उसके

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

नेताओं पर प्रतिबंध लगाने के बावजूद, जमीनी स्तर पर हसीना का समर्थक वर्ग पूरी तरह निष्क्रिय नहीं हुआ है। किसी भी लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिशोध की भावना जब संस्थागत रूप लेने लगती है, तो वह स्थायी शांति के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बन जाती है।

इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में भारत की स्थिति सबसे अधिक संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण है। भारत ने दशकों तक शेख हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश के साथ प्रगाढ़ रणनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंध विकसित किए थे। वर्ष 2024 में जब हसीना को जान बचाकर ढाका छोड़ना पड़ा, तब भारत ने मानवीय आधार पर और एक पुराने मित्र के नाते उन्हें शरण दी। लेकिन आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं। ढाका में एक नई निर्वाचित सरकार है, जिसके साथ भारत को अपने दीर्घकालिक हितों, पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और व्यापारिक संबंधों को बनाए रखना है। बांग्लादेश सरकार बार-बार यह संदेश दे रही है कि द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति और उच्च स्तरीय यात्राओं के लिए हसीना का प्रत्यर्पण एक आवश्यक शर्त है। कूटनीतिक सूत्रों से मिल रहे संकेतों के अनुसार, भारत भी इस गतिरोध को समाप्त करने के लिए पर्दे के पीछे रास्ता तलाश रहा है, लेकिन नई दिल्ली ने हसीना की सुरक्षित वापसी के लिए दो स्पष्ट शर्तें सामने रखी हैं। पहली शर्त यह है कि जिस तरह वे अगस्त 2024 में बांग्लादेशी सेना की निगरानी में सुरक्षित भारत आई थीं, उसी तरह उनकी वापसी भी बांग्लादेश की सेना की सीधी निगरानी और सैन्य विमान के जरिए सुनिश्चित की जाए। दूसरी और सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह है कि ढाका की सरकार उनकी प्राण रक्षा की गारंटी दे और उन्हें मृत्युदंड के खिलाफ उच्च अदालत में अपील करने तथा निष्पक्ष सुनवाई का पूरा कानूनी अवसर प्रदान करे।

नई दिल्ली के लिए बिना इन शर्तों के किसी भी समझौते पर आगे बढ़ना संभव नहीं है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहां कानून का शासन सर्वोच्च है। भारत के प्रत्यर्पण अधिनियम 1962 और वर्ष 2013 की भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि के प्रावधानों के तहत किसी भी व्यक्ति को केवल राजनीतिक दबाव में दूसरे देश को नहीं सौंपा जा सकता। संधि के अनुच्छेद छह में स्पष्ट रूप से यह सुरक्षा कवच मौजूद है कि यदि प्रत्यर्पण का अनुरोध राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित प्रतीत होता है या संबंधित व्यक्ति के साथ निष्पक्ष न्याय न होने की आशंका है, तो भारत उस अनुरोध को अस्वीकार कर सकता है। यदि भारत बिना किसी ठोस कानूनी और सुरक्षा गारंटी के शेख हसीना को सौंपता है, तो इससे न केवल भारत की न्यायिक गरिमा पर प्रश्न उठेंगे, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विश्वसनीय मित्र और शरणदाता के रूप में भारत की छवि भी प्रभावित होगी। वहीं, दूसरी ओर यदि भारत हसीना को अनिश्चितकाल तक अपने यहां रखता है और वे भारतीय धरती से राजनीतिक बयानबाजी जारी रखती हैं, तो ढाका में भारत-विरोधी भावनाओं को और हवा मिलेगी।

इस कूटनीतिक उलझन के बीच दिसंबर का महीना एक और कारण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। बारह दिसंबर को भारत और बांग्लादेश के बीच ऐतिहासिक 1996 की गंगा जल बंटवारा संधि की तीस वर्ष की अवधि समाप्त होने जा रही है। यह संधि उस समय हुई थी जब शेख हसीना पहली बार प्रधानमंत्री बनी थीं। आज जब इस संधि के नवीनीकरण या पुनर्समीक्षा का समय निकट आ गया है, तब दोनों देशों के बीच संवादहीनता और अविश्वास की खाई गहरी होती दिख रही है। भारत के अपने राज्य, विशेषकर बिहार और पश्चिम बंगाल, सिंचाई, पेयजल और कोलकाता बंदरगाह की नौवहन क्षमता बनाए रखने के लिए गंगा के जल में अधिक हिस्सेदारी की मांग कर रहे हैं। दूसरी तरफ, बांग्लादेश को अपने कृषि और पारिस्थितिक तंत्र को बचाने के लिए इस संधि की सख्त आवश्यकता है। यदि राजनीतिक तनाव के कारण जल संधि पर समय रहते सहमति नहीं बन पाती है, तो इसका सीधा नुकसान दोनों देशों के करोड़ों आम नागरिकों और किसानों को उठाना पड़ेगा।

बांग्लादेश के मौजूदा संकट का समाधान किसी एक व्यक्ति के प्रत्यर्पण या दमन में नहीं छिपा है, बल्कि समावेशी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली में निहित है। तारिक रहमान सरकार को यह समझना होगा कि अवामी लीग जैसे ऐतिहासिक राजनीतिक दल को पूरी तरह हाशिए पर धकेलकर और प्रतिशोध की राजनीति को बढ़ावा देकर देश में स्थिरता नहीं लाई जा सकती। न्यायिक प्रक्रिया तभी विश्वसनीय मानी जाती है जब आरोपी को अपना पक्ष रखने और निष्पक्ष सुनवाई का पूरा अवसर मिले। भारत के लिए भी यह समय अत्यधिक संयम, दूरदर्शिता और संतुलित कूटनीति का है। नई दिल्ली को कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग करते हुए ढाका की सरकार के साथ संवाद के रास्ते खुले रखने होंगे। दक्षिण एशिया की शांति और समृद्धि के लिए यह आवश्यक है कि भारत और बांग्लादेश इतिहास के भावनात्मक बोझ और तात्कालिक राजनीतिक तनावों से ऊपर उठकर व्यावहारिक सहयोग की राह चुनें। पड़ोसी देशों के संबंध किसी एक नेता या दल के मोहताज नहीं होने चाहिए, बल्कि उनका आधार दोनों देशों के नागरिकों का साझा भविष्य और क्षेत्रीय स्थिरता होना चाहिए।

विपक्ष में पहले हिस्सेदारी की लड़ाई, फिर भाजपा से मुकाबला

उत्तर प्रदेश में 2027 की सत्ता की लड़ाई से पहले विपक्ष में सीटों का संग्राम छिड़ गया है। भाजपा को चुनौती देने से पहले तय हो रहा है कि गठबंधन में किसकी हैसियत कितनी है। कांग्रेस ने 403 विधानसभा सीटों में से 181 पर दावा ठोककर सपा के सामने चुनौती रख दी है। सपा सांसद राजीव राय ने मांग को अव्यावहारिक बताया और कहा कि सीट नहीं, जीत महत्वपूर्ण है। इमरान मसूद सभी 403 सीटों पर तैयारी का दावा कर रहे हैं। दल आपस में भरोसा क्यों नहीं बना पा रहे? कांग्रेस की 181 सीटों की मांग प्रदेश में खोई जमीन पाने की महत्वाकांक्षा है। रायबरेली और अमेठी के साथ लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ और सहारनपुर पर दावा बताता है कि पार्टी पुराने गढ़ों से आगे बढ़ना चाहती है। लेकिन सूची से संगठन खड़ा नहीं होता। कांग्रेस बताए कि कितने जिलों में सक्रिय ढांचा, कितने बूथों पर कार्यकर्ता और कितने जीतने योग्य उम्मीदवार हैं। गांधी परिवार की पहचान हर सीट पर वोट नहीं बनती। 181 का आंकड़ा अंतिम मांग है या बातचीत की शुरूआत, स्पष्ट नहीं है। संभव है कांग्रेस ऊंचा दावा रखकर सम्मानजनक हिस्सेदारी चाहती हो या 2027 को संगठन विस्तार का अवसर मानती हो। उसे बताना चाहिए कि कहां प्रदर्शन मजबूत रहा। महत्वाकांक्षा बोझ बन जाती है। खरगे के आवास पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, आराधना मिश्रा और इमरान मसूद की बैठक बताती है कि कांग्रेस गंभीर है। खरगे ने सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों को मुद्दा बताया। असली कसौटी सीटों पर सहमति और संगठन की तैयारी होगी। राहुल और प्रियंका उत्साह जगा सकते हैं, मगर चुनाव बूथ के कार्यकर्ता और स्वीकार्य उम्मीदवार से जीता जाता है।

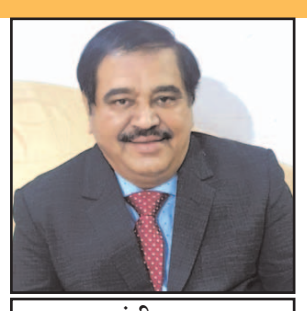
राजीव राय का बयान साफ करता है कि सपा कांग्रेस को जीतने की क्षमता के आधार पर सीटें देना चाहती है। तर्क व्यावहारिक है, पर सपा अपनी सुविधा को गठबंधन का नियम नहीं बना सकती। अखिलेश 2024 के बाद विपक्ष के मजबूत क्षेत्रीय चेहरे हैं। नेतृत्व का अर्थ सहयोगियों को छोटा दिखाना नहीं। कम सीटें मिलीं तो कांग्रेस उपेक्षा कहेगी; ज्यादा मिलीं तो सपा के दावेदारों और छोटे सहयोगियों में असंतोष होगा। अखिलेश को गठबंधन की जरूरत समझनी होगी।



-अजय कुमार

इमरान मसूद कहते हैं कि कांग्रेस सभी 403 सीटों पर तैयारी कर रही है, लेकिन सीटों से ज्यादा जीत महत्वपूर्ण है। यह दबाव या संगठन सक्रिय करने का संदेश हो सकता है। अखिलेश के मुख्यमंत्री बनने पर आपत्ति न होने की बात गठबंधन का दरवाजा खुला रखती है। लक्ष्य साझा जीत है तो हर सीट पर तैयारी का दावा किसलिए? तैयारी करना अधिकार है, पर उसे ताकत बताकर हिस्सेदारी मांगना अलग बात है। आंकड़े बहस को जमीन देते हैं। 2022 में कांग्रेस 399 सीटों पर लड़ी, केवल दो जीती और उसे 2.33 प्रतिशत वोट मिले। सपा ने 347 सीटों पर लड़कर 111 सीटें और 32.06 प्रतिशत वोट पाए। 2017 में कांग्रेस 114 सीटों पर लड़कर सात जीती, जबकि सपा 311 पर लड़कर 47 पर सिमटी। भाजपा ने 39.67 प्रतिशत वोट के साथ 312 सीटें जीतीं। ये नतीजे कांग्रेस की कमजोरी और सपा की ताकत दिखाते हैं। पुराने नतीजे आज का अंतिम फैसला नहीं। कांग्रेस के पक्ष में 2024 का लोकसभा परिणाम है। उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में सपा ने 37 और कांग्रेस ने छह जीतीं। सपा को 33.60 प्रतिशत और कांग्रेस को 9.46 प्रतिशत वोट मिले। दोनों ने भाजपा को 33 सीटों पर रोका। यह कांग्रेस की वापसी का संकेत है। मगर लोकसभा का मत प्रतिशत विधानसभा की 181 सीटों पर सीधे लागू नहीं हो सकता। स्थानीय उम्मीदवार, मुद्दे, जातीय समीकरण और बूथ प्रबंधन नतीजा तय करते हैं। छह लोकसभा सीटों की जीत 181 विधानसभा सीटों का अधिकारपत्र नहीं।अखिलेश के सामने पीडीए की राजनीति को गठबंधन के साथ साधने की चुनौती है। पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक मतदाता सपा की रणनीति के केंद्र में हैं। कांग्रेस भी सामाजिक न्याय की बात करती है। कई सीटों पर दोनों एक ही सामाजिक आधार के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। टिकट जातीय गणित या नेताओं की पसंद से तय हुए तो कार्यकर्ता दूसरे दल के उम्मीदवार को अपना नहीं मानेंगे। असली परीक्षा साझा उम्मीदवार के लिए साझा मेहनत है। छोटे सहयोगियों को भूलना राजनीतिक भूल होगी। सपा-कांग्रेस 181 सीटों के दावे में उलझीं तो अन्य दलों के लिए जगह कहां बचेगी? क्षेत्रीय या सामाजिक प्रभाव रखने वाले सहयोगियों को भूमिका देनी होगी। वरना असंतोष, बगावत और दोस्ताना मुकाबले विपक्षी वोट बांट देंगे। सीटों के साथ प्रचार, संसाधन और कार्यकर्ता साझा करने की योजना जरूरी है। भाजपा को इस खींचतान से लाभ मिल सकता है। वह विपक्ष को कुर्सी और हिस्सेदारी के लिए लड़ता दिखाएगी। बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आय, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेपर लीक और कानून-व्यवस्था पर सरकार को घेरने के बजाय विपक्ष सीटों में उलझा दिखाई देगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से पूर्वांचल तक अविश्वास नुकसान पहुंचा सकता है। भाजपा के पास सत्ता, संगठन, संसाधन और योगी आदित्यनाथ का चेहरा है। विपक्ष को रोजगार, खेती, शिक्षा और स्वास्थ्य पर ठोस और विश्वसनीय कार्यक्रम देना होगा। सत्ता विरोधी नाराजगी अकेले जनादेश नहीं बनती। हर सीट का फैसला पिछले विधानसभा नतीजों, 2024 के क्षेत्रवार मतों, उम्मीदवार की स्वीकार्यता, बूथ संगठन, सामाजिक समीकरण और जीत के अंतर से होना चाहिए। जहां कांग्रेस मजबूत है, उसे सीट मिले; जहां सपा की पकड़ है, दावा उसका भी हो। कमजोर सीटों पर प्रतिष्ठा के लिए उम्मीदवार थोपना नुकसानदेह होगा। कांग्रेस 181 को अंतिम शर्त न बनाए और सपा सहयोगी को अपमानित न करे। सम्मान का अर्थ हर मांग मानना नहीं, बड़ी पार्टी होने का अर्थ आदेश देना भी नहीं। कांग्रेस साबित करे कि वह संगठन और उम्मीदवार तैयार करने के लिए गंभीर है, केवल बड़ी सूची से मौजूदगी का विज्ञापन नहीं चाहती। सपा दिखाए कि वह गठबंधन का नेतृत्व कर सकती है और सहयोगियों को साथ रख सकती है। 2024 ने दोनों को अवसर दिया; 2027 में उसे दोहराने के लिए अहंकार नहीं, भरोसा चाहिए। जनता को विकल्प चाहिए। यदि विपक्ष अपनी हैसियत और हिस्सेदारी तय नहीं कर पाया, तो जनता उससे प्रदेश चलाने का भरोसा कैसे करेगी? भाजपा को हराने से पहले विपक्ष को अपनी जिद हरानी होगी।

अंत का कारण, अहंकार के दस शीश, कितना शेष मनुष्य



संजीव ठाकुर

जो राष्ट्र या समाज केवल भौतिक उन्नति को ही सब कुछ मान बैठता है, उसका आध्यात्मिक और नैतिक पतन अवश्यभावी है।

मनुष्य ने अपनी बुद्धि, परिश्रम और विवेक के बल पर सभ्यता का निर्माण किया। आर्थिक समृद्धि अर्जित की, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल कीं तथा प्रकृति की अनेक चुनौतियों को नियंत्रित करने का प्रयास किया। लेकिन इस विकास यात्रा में एक विडंबनापूर्ण स्थिति भी पैदा हुई। धन, जो कभी जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन हुआ करता था, धीरे-धीरे प्रतिष्ठा, शक्ति, प्रभाव और वर्चस्व का पर्याय बनता चला गया। आज प्रश्न यह नहीं है कि मनुष्य कितना धनवान है, बल्कि यह है कि धनवान होने के बाद उसके भीतर कितना मनुष्य शेष रह गया है। धन का अतिरेक जब विवेक और विनम्रता से अलग होता है, तब अहंकार जन्म लेता है और यही अहंकार धीरे-धीरे मानवीय संवेदनाओं के क्षरण का कारण बन जाता है।

संत कबीरदास जी ने धन और सत्ता के इस अहंकार पर चोट करते हुए कहा था

हस्ती चढ़िए ज्ञान की,
सहज दुलीचा डारि।
स्वूप संसार भूक है,
झख मारि सकै मारि॥

अर्थात, अहंकार का यह मद क्षणिक है। जो मनुष्य धन के नशे में चूर होकर दूसरों को तुच्छ समझता है, उसका पतन निश्चित है।

व्यक्ति के जीवन में धन की उपयोगिता निर्विवाद है। धन से परिवार की आवश्यकताएं पूरी होती हैं, शिक्षा, चिकित्सा और सामाजिक सुरक्षा के अवसर प्राप्त होते हैं। लेकिन जब धन ही मनुष्य की पहचान और दूसरों को आंकने का पैमाना बन जाता है, तब उसके व्यवहार में असमानता, उपेक्षा और श्रेष्ठता का भाव आने लगता है। वह अपने से कमजोर आर्थिक स्थिति वाले व्यक्ति को सम्मान की दृष्टि से देखना भूल जाता है। रिश्तों में आत्मीयता की जगह स्वार्थ, सामाजिक संबंधों में संवेदना की जगह प्रदर्शन और जीवन में संतोष की जगह संग्रह की असीमित आकांक्षा स्थापित होने लगती है। एक ऐसा वर्ग भी विकसित होता है जिसके लिए धन कमाना ही सफलता और धन का प्रदर्शन ही प्रतिष्ठा बन जाता है। महात्मा गांधी का प्रसिद्ध विचार है कि पृथ्वी पर मनुष्य की जरूरतों की पूर्ति के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन उसके लालच के लिए नहीं। यह कथन आज की आर्थिक असमानता और असीमित उपभोग की मानसिकता पर सटीक टिप्पणी है।

धन का अहंकार केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहता। जब यही मानसिकता व्यापारिक संस्थानों, आर्थिक समूहों और राजनीतिक सत्ता के केंद्रों तक पहुंचती है, तब उसका स्वरूप और अधिक व्यापक तथा खतरनाक हो जाता है। पूंजी का उद्देश्य यदि केवल अधिक पूंजी अर्जित करना बन जाए और आर्थिक शक्ति का इस्तेमाल सामाजिक कल्याण के स्थान पर नीतियों तथा निर्णयों को अपने पक्ष में प्रभावित करने के लिए होने लगे, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल भावना प्रभावित होती है। आर्थिक असमानता सामाजिक असंतोष को जन्म देती है और धीरे-धीरे समाज में विश्वास तथा समान अवसरों का आधार कमजोर होने लगता है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सामाजिक लोकतंत्र के लिए स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को आवश्यक माना था। उनका चिंतन हमें बताता है कि केवल राजनीतिक अधिकार पर्याप्त नहीं हैं, जब तक समाज में आर्थिक और सामाजिक समानता की दिशा में वास्तविक प्रयास न हों।

यही धन और शक्ति का अहंकार जब राष्ट्रों के बीच पहुंचता है, तब उसके परिणाम कहीं अधिक विनाशकारी हो जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आर्थिक प्रभुत्व, प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण, ऊर्जा के स्रोतों पर अधिकार, सामरिक महत्व के क्षेत्रों में प्रभाव और वैश्विक बाजारों पर पकड़ स्थापित करने की प्रतिस्पर्धा अनेक बार देशों को टकराव की ओर ले जाती है। राजनीतिक नेतृत्व जब अपने राष्ट्र की प्रतिष्ठा को दूसरे राष्ट्रों पर प्रभुत्व स्थापित करने से जोड़ने लगता है, तब कूटनीति और संवाद पीछे छूट जाते हैं। सत्ता का विस्तार राष्ट्रीय हितों की आड़ में व्यक्तिगत अथवा राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का माध्यम भी बन सकता है। युद्ध की घोषणा करने वाले नेतृत्व के निर्णयों का वास्तविक दुष्परिणाम उन निर्दोष नागरिकों को भुगतना पड़ता है, जिनका सत्ता संघर्ष से कोई संब

दैनिक हिंदमाता के पत्रकार विजय गिरी का दु:खद निधन



मुंबई (उत्तरशक्ति)। पत्रकारिता जगत से एक बेहद दुखद और हृदयविदारक खबर सामने आई है। दैनिक हिंदमाता के वरिष्ठ पत्रकार विजय गिरी का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके असामयिक निधन की खबर से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। विजय गिरी के निधन से पत्रकारिता जगत ने एक ऐसे साथी को खो दिया, जिनकी यादें उनके मित्रों, सहयोगियों और शुभचिंतकों के दिलों में हमेशा जीवित रहेंगी। उनके अचानक दुनिया से चले जाने की खबर ने सभी को स्तब्ध कर दिया है। उनके निधन पर पत्रकारों और मित्रों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। एक साथी चला गया, लेकिन उसकी यादें हमेशा रहेंगी। विजय गिरि के असामयिक निधन पर पूर्व पुलिस अधिकारी और जाने माने एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा शिवसेना शिंदे गुट के नेता कमलेश राय, हिंदमाता के संपादक एस.पी.यादव, मनसे नेता मनोज गिरि, अधिवक्ता जी.सी.तिवारी,भाजपा नेता प्रमोद मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार राकेश दुबे,राजकुमार मिश्रा, प्रवासी संदेश के संपादक राजेश उपाध्याय, सुरेंद्र गिरि, वरिष्ठ पत्रकार संजय गिरि, वरिष्ठ पत्रकार हरिश्चंद्र पाठक सहित बड़ी संख्या में पत्रकारों और गोस्वामी समाज के लोगों ने शोक जताया है।

वोट बचाओ देश बचाओ अभियान को लेकर कांग्रेस की समीक्षा बैठक संपन्न



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से सोमवार, 16 नवंबर को वोट बचाओ देश बचाओ अभियान के तहत केंद्रीय कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्रभारी एवं पूर्व विधायक मनीषा पंवार ने उपस्थित पदाधिकारियों को संगठन मजबूत बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष राणीताई अग्रवाल, पूर्व सांसद सुरेश टावरे, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष आबिद मुन्सफ खान सहित विभिन्न सेल के अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष उपस्थित थे।बैठक में आबिद मुन्सफ खान ने अपने कार्यकाल के दौरान किए गए संगठनात्मक कार्यों की जानकारी देते हुए विभिन्न प्रकोष्ठों और ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्तियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। मनीषा पंवार ने संगठनात्मक कार्यों की सराहना करते हुए पदाधिकारियों से एकजुट होकर पार्टी की विचारधारा और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने वोट बचाओ देश बचाओ अभियान के तहत आयोजित चौपाल बैठकों की समीक्षा की तथा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान नागरिकों को होने वाली परेशानियों की जानकारी ली। उन्होंने इन समस्याओं के समाधान के लिए पार्टी पदाधिकारियों को नागरिकों की मदद और सहयोग करने के निर्देश दिए।

नेवाली नाका पर शिवसेना तालुका प्रमुख चैनु जाधव की पहल पर छठ पूजा का भव्य आयोजन



कल्याण ग्रामीण (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय समाज की आस्था और श्रद्धा के प्रतीक छठ महापर्व के अवसर पर कल्याण ग्रामीण क्षेत्र के नेवाली नाका में शिवसेना अंबरनाथ तालुका प्रमुख चैनु दाअच्छा दा जाधव की ओर से छठ पूजा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस पावन पर्व पर बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समाज की माता-बहनें और श्रद्धालु शामिल हुए। इस दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार छठी मैया और सूर्यदेव की पूजा-अर्चना की गई। साथ ही परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की गई। उत्तर भारतीय समाज की आस्था, परंपरा और संस्कृति के सम्मान में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम को श्रद्धालुओं का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर शिवसेना तालुका प्रमुख चैनु दादा जाधव ने सभी उत्तर भारतीय माता-बहनों एवं श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि छठी मैया और सूर्यदेव का आशीर्वाद सभी परिवारों पर बना रहे तथा प्रत्येक के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली आए।

इंडस टॉवर्स ने बढ़ाया बिहार के बाढ़ प्रभावित समुदायों के लिए मदद का हाथ

मुंबई/पटना। इंडस टॉवर्स लिमिटेड, विश्व की एक सबसे बड़ी दूरसंचार अवसंरचना कंपनी, ने बिहार के बाढ़ प्रभावित पूर्णिया और सहरसा जिलों में 1,000 से अधिक लोगों तक राहत सहायता पहुँचाई है। राज्य के कई क्षेत्रों में बाढ़ के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है, ऐसे में इस पहल के जरिए कंपनी प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सामग्री पहुँचा रही और उनकी तत्काल जरूरतों को पूरा करने में मदद कर रही है। इंडस टॉवर्स के कर्मचारी स्थानीय प्रशासन के सहयोग से कंपनी के प्रमुख कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (उरफ) कार्यक्रम ह्याप्रगतिह्न के तहत यह पहल चला रहे हैं। राहत कार्य के तहत बिहार के जरूरतमंद परिवारों को आवश्यक राशन किट बांटा जा रहा है। कोसी नदी से बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद आई इस भीषण बाढ़ ने लगभग 18 लाख लोगों को प्रभावित किया है और पूरे क्षेत्र में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर रखा है।

आईएमए प्रेसिडेंशियल अवॉर्ड-2026 से डॉ. राजेंद्र चव्हाण सम्मानित, पालघर जिले का बढ़ाया गौरव

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के चिकित्सा एवं समाजसेवा क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। कांता हॉस्पिटल, पालघर के चेयरमैन एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ. राजेंद्र रतिलाल चव्हाण को चिकित्सा सेवा और निःस्वार्थ समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित आईएमए प्रेसिडेंशियल अवॉर्ड-2026 से सम्मानित किया गया है। वहीं आईएमए बोईसर शाखा को भी उत्कृष्ट कार्यों के लिए बेस्ट ब्रांच अवॉर्ड प्रदान किया गया। इन दोनों उपलब्धियों से पालघर जिले का गौरव बढ़ा है।

13 नवंबर को नागपुर में आयोजित मस्ताकॉन-ईमाकॉन 2026 की वार्षिक कॉन्फ्रेंस में यह सम्मान प्रदान किया गया। आईएमए महाराष्ट्र स्टेट के अध्यक्ष डॉ. संतोष कुलकर्णी, पूर्व अध्यक्ष डॉ. संतोष कदम एवं नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. मंजुषा गिरी के हाथों डॉ. चव्हाण को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। डॉ. राजेंद्र चव्हाण पिछले 35 वर्षों से पालघर जिले के ग्रामीण, गरीब एवं आदिवासी समुदाय को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर समर्पित हैं। ऑनरेरी लैप्रोस्कोपिक सर्जन के रूप में उन्होंने कांता हॉस्पिटल के साथ-साथ विभिन्न सरकारी अस्पतालों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में परिवार नियोजन शिविरों का आयोजन कर हजारों जरूरतमंद महिलाओं की दूरबीन पद्धति से निःशुल्क एवं सुरक्षित नसबंदी



सर्जरी की है। स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उनके इस प्रयास की व्यापक सराहना होती रही है। इससे पूर्व 26 जनवरी 2026 को जिला मुख्यालय पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में भी उनके सामाजिक एवं चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को सम्मानित किया गया था। उस समय पालकमंत्री गणेश नाईक, सांसद डॉ. हेमंत वि. सावरा, जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आईएमए प्रेसिडेंशियल अवॉर्ड प्राप्त करने के बाद डॉ. चव्हाण ने इस उपलब्धि का श्रेय गरीब आदिवासी महिलाओं, आशा कार्यकर्ताओं, नर्सों, कांता हॉस्पिटल के कर्मचारियों तथा आईएमए बोईसर शाखा के सभी सदस्यों को दिया। उन्होंने कहा कि किसी गरीब बच्चे के चेहरे पर मुस्कान लाना ही उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। बताया जाता है कि कांता हॉस्पिटल से कोई भी गरीब मरीज बिना उपचार के वापस नहीं लौटता। जरूरतमंदों के प्रति इसी सेवाभाव और समर्पण के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में लोग उन्हें स्नेहपूर्वक गरीबों का डॉक्टर कहकर संबोधित करते हैं। डॉ. राजेंद्र चव्हाण को मिला यह प्रतिष्ठित सम्मान और आईएमए बोईसर शाखा की बेस्ट ब्रांच के रूप में उपलब्धि न केवल पालघर जिले के लिए गर्व का विषय है, बल्कि चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े युवा चिकित्सकों के लिए भी समाजसेवा, समर्पण और मानवीय संवेदना की प्रेरणादायक मिसाल है। दोनों सम्मानों पर जिले के विभिन्न सामाजिक एवं चिकित्सा संगठनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए डॉ. चव्हाण तथा आईएमए बोईसर शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई दी है।

भिवंडी मनपा के तीन स्कूलों के नए भवनों का किया गया भूमिपूजन



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी महानगरपालिका क्षेत्र के संगमपाड़ा स्थित मनपा स्कूल क्रमांक 16, 28 और 38 की इमारतें जर्जर होने के कारण इनके पुनर्निर्माण के लिए शासन की ओर से पांच करोड़ रुपये की निधि मंजूर की गई है। विधायक महेश चौघुले के प्रयासों से स्वीकृत इस निधि से बनने वाले नए स्कूल भवनों का भूमिपूजन सोमवार को विधायक महेश चौघुले के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्थानीय नगरसेवक नेहा नवीन काठवले, रोमा नीलेश आलशी, सुगंधा टावरे, रितेश टावरे, कृष्णा गजंगी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। विधायक महेश चौघुले ने कहा कि भिवंडी मनपा स्कूलों की बदहाल स्थिति का मुद्दा लगातार शासन के समक्ष उठाते हुए स्कूलों के विकास के लिए निधि की मांग की गई थी। इसके परिणामस्वरूप तीनों स्कूलों के नए भवनों के निर्माण के लिए पांच करोड़ रुपये की निधि उपलब्ध कराई गई है। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए स्कूलों की इमारतों का सुसज्जित और सुविधायुक्त होना भी आवश्यक है। नए स्कूल भवनों के निर्माण से क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिलेंगी। इस विकास कार्य का स्थानीय अभिभावकों ने भी स्वागत किया है।

ओम शिव गंगा सोसायटी के रहवासियों ने बनाया कृत्रिम तालाब, श्रद्धा और उत्साह के साथ की छठ पूजा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व कैलास नगर स्थित ओम शिव गंगा कॉम्प्लेक्स के रहवासियों ने छठ पूजा के अवसर पर अपनी सोसायटी में ही कृत्रिम तालाब का निर्माण कर श्रद्धा और भक्ति के साथ छठी मैया की पूजा-अर्चना की। सोसायटी के रहवासियों ने मिलकर कृत्रिम तालाब तैयार किया और छठ पूजा की सभी धार्मिक रस्मों को विधि-विधान से पूरा किया।

रहवासियों का कहना है कि शहर में छठ पूजा के लिए पर्याप्त तालाबों और आवश्यक सार्वजनिक सुविधाओं का अभाव है। ऐसे में पूजा के लिए दूर-दराज के स्थानों पर जाने की परेशानी को देखते हुए सोसायटी के सभी रहवासियों ने



आपसी सहमति से अपने ही परिसर में कृत्रिम तालाब बनाने का निर्णय लिया।

इसके बाद सभी ने मिलकर तालाब तैयार किया और छठ व्रतियों के लिए पूजा की व्यवस्था की। सोसायटी परिसर में ही छठ पूजा संपन्न होने से रहवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

रहवासियों की इस पहल ने न केवल धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

डूबते सूर्य को भी अर्घ्य देना, जीवन में आशा का प्रतीक: सीमा सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। छठ महापर्व में उगते सूरज के साथ-साथ डूबते सूरज को भी अर्घ्य दिया जाता है। इसका साफ संदेश है कि हमें जीवन में कभी निराश नहीं होना चाहिए। परिस्थितियों कितनी भी कठिन हो परंतु उनका अंत होना सुनिश्चित है। मेघाश्रेय फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा प्रख्यात समाजसेवी सीमा सिंह ने अपने आवास पर आयोजित छठ पूजा के अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि भगवान सूर्य और छठ मैया सबका कल्याण करें। विकसित भारत की संकल्पना पूरी हो और देश का चतुर्मुख विकास हो। सीमा सिंह ने कहा कि अनेकता में एकता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। पूरे देशवासी त्योहारों को मिलकर एक साथ मनाते हैं और देश की जरूरत पड़ने पर एक साथ खड़े



होते हैं। यही हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत है। इस अवसर पर उपस्थित उनके ससुर तथा उद्योगपति वासुदेव नारायण सिंह ने कहा कि छठ महापर्व सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी धूमधाम से मनाया जाता है। भगवान सूर्य की उपासना करने से सभी कामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया को सूर्य से ही ऊर्जा प्राप्त होती है। उन्होंने भी सभी देशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दी।

ठाणे जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग को लेकर किसानों ने निकाला मोर्चा

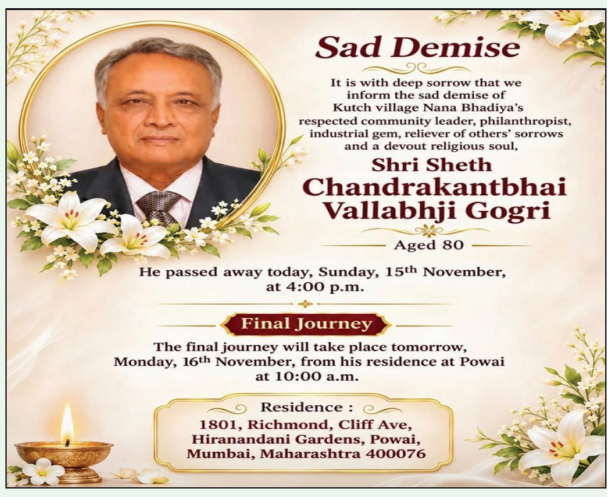
भिवंडी (उत्तरशक्ति)। राज्य में सूखे जैसी स्थिति के बावजूद ठाणे जिले के किसानों को सरकारी आर्थिक सहायता से वंचित रखे जाने के विरोध में सोमवार को 'हम भूमिपुत्र किसान संगठन' की ओर से भिवंडी तहसील कार्यालय पर जोरदार मोर्चा निकाला गया। संगठन के संस्थापक अध्यक्ष दीपक पाटिल के नेतृत्व में निकाले गए इस मोर्चे में भिवंडी तालुका के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। इस दौरान तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर ठाणे जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने और किसानों को तत्काल आर्थिक सहायता देने की मांग की गई। ज्ञापन



में कहा गया कि राज्य के 36 में से 33 जिलों में सूखे जैसी स्थिति को देखते हुए सरकार की ओर से विभिन्न योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके बावजूद ठाणे जिले को सूखाग्रस्त जिलों की सूची में शामिल नहीं किए जाने से भिवंडी, शहापुर, मुरबाड और अंबरनाथ तालुका के किसान गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। इन क्षेत्रों में किसानों की फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है, लेकिन उन्हें अब तक अपेक्षित सरकारी सहायता नहीं मिल सकी है।संगठन ने मांग की कि अब नुकसानग्रस्त खेतों का पंचनामा करना भी संभव नहीं है, इसलिए पंचनामे की शर्त लगाए बिना किसानों को सीधे आर्थिक सहायता घोषित की जाए। संगठन के संस्थापक अध्यक्ष दीपक पाटिल ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने किसानों की मांगों पर तत्काल ध्यान नहीं दिया तो ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय पर मोर्चा निकालकर अनशन आंदोलन किया जाएगा।

आरती ग्रुप के आधारस्तंभ चंद्रकांत गोगरी का निधन, उद्योग जगत में शोक की लहर

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र के औद्योगिक जगत से एक दुखद समाचार सामने आया है। आरती समूह के संस्थापक स्तंभ, वरिष्ठ उद्योगपति एवं दूरदर्शी व्यक्तित्व चंद्रकांत गोगरी के निधन से उद्योग जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन से औद्योगिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। ज्ञात हो कि चंद्रकांत गोगरी ने रसायन एवं औषधि निर्माण (फार्मास्युटिकल) क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपनी दूरदर्शी सोच, कुशल नेतृत्व और उद्यमशीलता के बल पर उन्होंने औद्योगिक विकास में अहम भूमिका निभाई। विशेष रूप से पालघर जिले के तारापुर औद्योगिक क्षेत्र के विकास एवं विस्तार को गति देने में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। एक सफल उद्योगपति के रूप में अपनी अलग पहचान बनाने वाले गोगरी ने व्यावसायिक उपलब्धियों के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों का भी पूरी निष्ठा से निर्वहन किया।



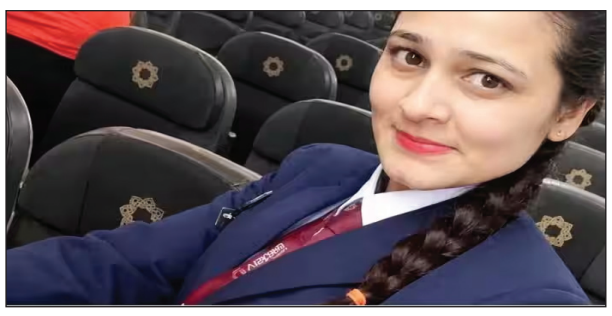
समाज के वंचित, जरूरतमंद एवं कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए किये गये उनके कार्य हमेशा याद किये जायेंगे। उनके निधन से आरती समूह सहित पूरे औद्योगिक जगत ने एक अनुभवी, कर्मठ और दूरदर्शी नेतृत्व खो दिया है। उनका कार्य, विचार, उद्यमशीलता और सामाजिक प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। चंद्रकांत गोगरी के निधन पर जिले के उद्यमियों, समाजसेवियों, मीडियाकर्मियों एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल गोगरी परिवार को इस कठिन समय में दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

दिवाली पर घर आई पुणे की एयर होस्टेस की जंगल में हत्या, दोस्त के साथ गई थी घूमने, हमले के बाद जीजा को किया था फोन

पुणे। महाराष्ट्र में दिवाली मनाने घर आई पुणे की एक एयर होस्टेस की बेरहमी से हत्या का मामला सामने आया है। 35 वर्षीय वर्षा तुरकर का शव महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की सीमा के पास वैनगंगा नदी किनारे मिला। उनके शरीर पर धारदार हथियार से हमले के निशान थे। घटना के समय वर्षा अपने एक पुराने दोस्त के साथ घूमने गई थीं। शुरूआती जानकारी में लूटपाट के दौरान अज्ञात हमलावरों द्वारा हत्या किए जाने की आशंका जताई गई है। हालांकि, महाराष्ट्र पुलिस को मामले की परिस्थितियां संदिग्ध लग रही हैं और वह हर पहलू से जांच कर रही है।

वर्षा की पढ़ाई के दौरान उनकी पहचान गोंदिया निवासी रितेश अग्रवाल से हुई थी। बताया गया है कि दोनों पुराने दोस्त थे। 14 नवंबर को रितेश किन्ही गांव आया था। उसी दिन शाम को वर्षा उसके साथ महाराष्ट्र के बोंद्रानी गांव में वैनगंगा नदी के किनारे स्थित मंदिर के पास जंगल की ओर घूमने गई थीं। इसी दौरान उनके साथ वारदात हो गई।

शाम करीब 6 बजे वर्षा ने अपने जीजा पप्पू पटेल को फोन



किया। उन्होंने बताया कि उनके साथ लूटपाट और मारपीट की घटना हुई है। जानकारी मिलते ही पप्पू पटेल परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचे। वहां वर्षा गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिलीं। उनके शरीर पर धारदार हथियार से हमले के निशान थे। परिजन उन्हें मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के खैरलांजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन शाम करीब 7 बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया

प्रारंभिक जांच के मुताबिक, लूटपाट के इरादे से पहुंचे मास्क पहने अज्ञात हमलावरों ने वर्षा पर धारदार हथियार से हमला किया। हालांकि, पुलिस अभी इस घटनाक्रम की पुष्टि करने के लिए जांच कर रही है। वारदात महाराष्ट्र के दौनीवाड़ा थाना क्षेत्र में हुई है। घटना के बाद दौनीवाड़ा पुलिस वर्षा के दोस्त रितेश अग्रवाल और उनके जीजा पप्पू पटेल को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। दोनों के बयान दर्ज किए गए हैं। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि घटना से पहले और बाद में क्या-क्या हुआ था। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह और हमलावरों की पहचान स्पष्ट नहीं हो पाई है।

वर्षा तुरकर मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के किन्ही गांव की रहने वाली थीं और पुणे में एयर होस्टेस के तौर पर काम करती थीं। वर्षा ने 2024 में समर सैयद से शादी की थी। शादी के बाद से वह अपने पति के साथ पुणे में रह रही थीं। उनकी ढाई साल की एक बेटी भी है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com



स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर संपन्न हुआ छठ महापर्व, घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा जनपद में धूमधाम और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। पर्व के चौथे और अंतिम दिन सोमवार की सुबह व्रती महिलाओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की दीर्घायु की कामना की। इसके साथ ही 36 घंटे के निर्जला व्रत का पारण कर चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन किया।



इस अवसर पर नगर के शीतला चौकियां धाम स्थित कुंड, गोपी घाट, अचला घाट और हनुमान घाट सहित विभिन्न जलाशयों पर तड़के से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। व्रती महिलाएं पारंपरिक पूजा सामग्री और फल-फूल से सजे दउरा लेकर घाटों पर पहुंचीं और विधि-विधान से भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीतों की गूंज और श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। व्रती महिलाओं ने छठी मैया की पूजा-अर्चना कर परिवार की खुशहाली, सुख-समृद्धि और संतान की लंबी उम्र की मंगलकामना की।

सूर्योदय के साथ ही घाटों पर आस्था और भक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। पूजा के बाद व्रती महिलाओं ने प्रसाद ग्रहण कर व्रत का पारण किया। इसी के साथ जनपद में चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का श्रद्धा, उल्लास और भक्तिमय माहौल में समापन हो गया।

जौनपुर में 18 वर्षीय युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, रिश्तेदार युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र में 18 वर्षीय युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया है। युवती के भाई की तहरीर पर पुलिस ने उसके रिश्ते में मामा के लड़के के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 87 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, शिकायतकर्ता की बहन 5 अक्टूबर 2026 को खुटहन स्थित राज गौरव डिग्री कॉलेज में पढ़ने गई थी। आरोप है कि कॉलेज के बाहर पहले से मौजूद एक युवक उसे अपने साथ लेकर चला गया। काफी समय तक युवती के घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की।

शिकायतकर्ता ने युवक की पहचान अरुण पुत्र प्यारेलाल निवासी प्रेमराजपुर, थाना खेतासराय, जनपद जौनपुर के रूप में की है। आरोप है कि अरुण उसका रिश्ते में ममेरा भाई है और वह उसकी बहन को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया।

मामले में पुलिस ने 15 नवंबर 2026 को खुटहन थाने में एफआईआर संख्या 0390/2026 दर्ज की है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 87 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक हरिशंकर यादव को सौंपी गई है।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और युवती के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस की अग्रिम कार्रवाई विवेचना के तथ्यों के आधार पर की जाएगी।

रारीकला में उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने व्रत खोला

बदलापुर में चार दिवसीय छठ पूजा का सोमवार को हुआ समापन

दिलशाद अहमद सानू

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर के रारीकला गांव में सोमवार को चार दिवसीय छठ पूजा उषा अर्घ्य के साथ संपन्न हुई। व्रतियों ने सूर्य देव और छठी मैया की पूजा की। पर्व की शुरूआत रारीकला घाट पर नहाय-खाय से हुई थी। पर्व के चौथे और अंतिम दिन व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके बाद उन्होंने अपना व्रत खोला। रारीकला गांव की शशिकला ने बताया कि इस दिन 36 घंटे का निर्जला उपवास खोला जाता है। व्रती सूर्योदय से पहले घाट पर पहुंचे और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके बाद व्रतियों ने सबसे पहले तुलसी के पत्ते से जल ग्रहण किया। फिर छठी मैया को नमन कर प्रसाद खाया और 36 घंटे के निर्जला उपवास का पारण किया।



दुद्धी में आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया गया छठ महापर्व, अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

छठी मैया के जयकारों से गूंजे नदी और तालाबों के घाट, दीपों और विद्युत झालरों से जगमगाया वातावरण

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सूर्योपासना के महापर्व छठ पर रविवार को दुद्धी क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। व्रती महिलाओं ने पूरे दिन निर्जला व्रत रखकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि एवं संतान की मंगलकामना की। दोपहर बाद गाजे-बाजे के साथ व्रती महिलाएं नदी और तालाबों के घाटों पर पहुंचीं। कई महिलाएं अपनी मन्नत के अनुसार दंडवत करते हुए वेदी तक पहुंचीं।



दुद्धी कस्बे के प्राचीन शिवाजी तालाब, कैलाश कुंज द्वार मल्देवा, हिरेश्वर मंदिर, ठेमा नदी खजुरी, दिघुल, कनहर नदी छठ घाट टेढ़ा, अमवार और नगवा सहित विभिन्न घाटों पर शाम चार बजे से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। घाटों पर पैर रखने तक की जगह नहीं बची। व्रती महिलाएं पानी में पश्चिम दिशा की ओर मुख करके खड़ी हुईं और अस्त होते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

इस दौरान परिवार के पुरुष सदस्य पूजन सामग्री से भरी डलिया लेकर महिलाओं के साथ घाटों पर पहुंचे। सूर्य को अर्घ्य देने के बाद महिलाओं ने वेदियों पर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया और दीपदान किया। दीपों तथा विद्युत झालरों की रोशनी से घाट जगमगा उठे। छठी मैया के पारंपरिक गीतों और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। घाटों पर उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन होगा।

विधायक रमेश सिंह ने जनगणना के लिए स्व-गणना की

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधायक रमेश सिंह ने 16 नवंबर 2026 को जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना की। इस दौरान उपजिलाधिकारी और उपजिला जनगणना अधिकारी अंकुर वर्मा मौजूद रहे।

कार्यक्रम में देवमणि त्रिपाठी, एआरपी शाहगंज, अरविंद कुमार यादव, पर्यवेक्षक और राममिलन यादव, प्रगणक भी उपस्थित थे। अंकुर वर्मा ने शाहगंज के नागरिकों से स्व-गणना करने की अपील की। नागरिक 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक तय ऑनलाइन माध्यम से अपने परिवार और आवास की जानकारी दर्ज कर सकते हैं।

स्व-गणना पूरी होने पर हर परिवार को एक विशिष्ट रए क्कऊ(री'ा एल्लश्ठी१ंइङ्मल्ल क्कऊ) मिलेगी। 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 के बीच प्रगणक घर-घर जाकर दर्ज जानकारी का सत्यापन करेंगे। नागरिकों को इस दौरान अपनी रए क्कऊप्रगणक को देनी होगी। रए क्कऊके जरिए स्व-गणना में दर्ज जानकारी का सत्यापन कर उसे मुख्य जनगणना पोर्टल पर शामिल किया जाएगा। अंकुर वर्मा ने नागरिकों से तय समय में स्व-गणना पूरी करने और प्रगणक के घर आने पर रए क्कऊदेने की अपील की।

रात के अंधेरे में भटक रहे दो मासूमों को चाइल्ड हेल्पलाइन ने बचाया, शिशु गृह में कराया संरक्षित

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और रॉबर्ट्सगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने सराहनीय पहल करते हुए घर से भटककर असुरक्षित स्थिति में घूम रहे दो मासूम बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू किया। दोनों बच्चे 14 नवंबर की रात करीब आठ बजे हिन्दुआरी चौकी क्षेत्र में अकेले भटकते मिले थे।

जानकारी के अनुसार, बच्चों को अकेले घूमते देखकर स्थानीय लोगों ने चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह को सूचना दी। इसके बाद परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह, काउंसलर अमन सोनकर और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और दोनों बच्चों को सुरक्षित अपने संरक्षण में लेकर थाने पहुंची।

रेस्क्यू किए गए बच्चों में लगभग

पांच वर्षीय बालक और तीन वर्षीय बालिका घर का पता बताने में असमर्थ, परिजनों की तलाश जारी

पांच वर्ष का बालक और तीन वर्ष की बालिका शामिल हैं। कम उम्र होने के कारण दोनों बच्चे अपने घर और माता-पिता के संबंध में कोई जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बच्चों को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें सुरक्षित देखभाल के लिए शिशु गृह में संरक्षित कराया गया।

चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को बच्चों के परिजनों या उनके घर के संबंध में कोई जानकारी मिले तो चाइल्ड हेल्पलाइन के मोबाइल नंबर 9450717818 अथवा टोल फ्री नंबर 1098 पर तत्काल सूचना दें। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे को अकेले, रोते हुए या असुरक्षित अवस्था में देखने पर उसकी मदद के लिए आगे आएं। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

प्रेम प्रसंग में युवक ने सद्भावना पुल से गोमती नदी में लगाई छलांग, तलाश में जुटे गोताखोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित सद्भावना पुल पर बीती रात उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला सामने आने के बाद एक युवक ने कथित तौर पर पुल से गोमती नदी में छलांग लगा दी। घटना रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। युवक के नदी में कूदने की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के अनुसार, युवक ने सद्भावना पुल से नदी में छलांग लगाई। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और युवक की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई। नदी में युवक की तलाश के लिए गोताखोरों को लगाया गया है। गोताखोर लगातार नदी में खोजबीन कर रहे हैं।

घटना के बाद से युवक के परिजन बेहद परेशान हैं। युवक के नदी में लापता होने की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और सभी उसकी सकुशल बरामदगी की उम्मीद लगाए हुए हैं।

फिलहाल गोमती नदी में युवक की तलाश जारी है। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है।

जौनपुर के आशीष शुक्ला ने बढ़ाया जिले का मान, ICMR में वैज्ञानिक-बी के पद पर हुआ चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के परमानतपुर (उमरपुर) निवासी आशीष शुक्ला ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और लगन के दम पर बड़ी उपलब्धि हासिल कर जनपद का गौरव बढ़ाया है। उनका चयन भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) के अंतर्गत गोरखपुर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च (ठक्लफ) में वैज्ञानिक-बी (Scientist-B) के पद पर हुआ है।



आशीष शुक्ला मूल रूप से ताहिरपुर के निवासी हैं। वह श्री अमरनाथ शुक्ला एवं श्रीमती आशा शुक्ला के पुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित क्षेत्र और पूरे जनपद में खुशी की लहर है।

आशीष की शैक्षणिक उपलब्धियां भी बेहद शानदार रही हैं। उन्होंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय (BHU), वाराणसी से सूक्ष्मजीव विज्ञान (माइक्रोबायोलॉजी) में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। इसके अतिरिक्त उन्होंने अमेरिका की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑफ आयोवा से उच्च स्तरीय शोध प्रशिक्षण भी हासिल किया है।

तियरा-रतासी मोड़ पर दो बाइकों की जोरदार भिड़ंत, एक की मौत; दो गंभीर

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के तियरा गांव के पास तियरा-रतासी मोड़ पर रविवार की देर शाम दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

स्थानीय लोगों की मदद से एंबुलेंस के जरिए तीनों घायलों को बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने दुगोली कला निवासी 27 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बराई पट्टी निवासी बाबा और लालचंद की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

हादसे की सूचना मिलते ही बदलापुर पुलिस मौके पर पहुंच गई। प्रभारी निरीक्षक फूलचंद पांडे ने रविवार रात करीब 10 बजे बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, चाचा घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के कड़ेरेपुर गांव में शारदा देवी स्कूल के सामने रविवार की शाम दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका चाचा घायल हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के बहरा गांव निवासी बादल गौतम अपने भतीजे धीरज गौतम के साथ रविवार की शाम करीब चार बजे मछलीशहर से नई अपाची बाइक खरीदकर घर लौट रहे थे। कड़ेरापुर स्थित शारदा देवी स्कूल के सामने उनकी बाइक की हीरो स्प्लेंडर से टक्कर हो गई। दुर्घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। करीब पांच बजे उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने धीरज गौतम को मृत घोषित कर दिया। बादल गौतम को भी चोटें आई हैं। दुर्घटना में शामिल हीरो स्प्लेंडर का नंबर यूपी 62 डीके 2154 बताया गया है। मृतक के चाचा बादल गौतम ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दिया है।

वीरांगना ऊदा देवी पासी का बलिदान भारतीय इतिहास का गौरवशाली अध्याय: श्यामबहादुर पाल

सपा कार्यालय में पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित कर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर सोमवार को समाजवादी पार्टी जौनपुर की ओर से महान वीरांगना ऊदा देवी पासी की पुण्यतिथि जिला कार्यालय सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज में श्रद्धा एवं सादगी के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्यामबहादुर पाल ने की। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए श्यामबहादुर पाल ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की महान योद्धा और अदम्य साहस की प्रतीक थीं। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ते हुए देश की आजादी के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। लखनऊ के सिकंदरबाग में अंग्रेजी सेना से उनका संघर्ष भारतीय इतिहास में वीरता और शौर्य का गौरवशाली अध्याय है।

उन्होंने कहा कि ऊदा देवी पासी का जीवन सामाजिक समानता, स्वाभिमान और महिला सशक्तिकरण की प्रेरणा देता है। उनके योगदान को इतिहास में उचित स्थान और सम्मान मिलना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष हीरालाल विश्वकर्मा, इरशाद मंसूरी, जिला सचिव अजय मौर्य अज्जू, दीपक आर. विश्वकर्मा, कमाल आजमी, डॉ. जंग बहादुर यादव, राकेश यादव एडवोकेट, सौम्या यादव, रूबी बिंद, नज्मे आलम, प्रदीप शर्मा, विनय विनायक सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।



कुलपति ने किया हॉस्टलों का औचक निरीक्षण, विद्यार्थियों के साथ बैठकर किया भोजन

भोजन व सफाई पर जोर, खाद्य सामग्री की शुद्धता और स्टॉक रजिस्टर के रखरखाव के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय के छात्र और छात्राओं के छात्रावासों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावासों में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, खाद्य सामग्री की शुद्धता और रसोईघर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विद्यार्थियों के साथ भोजन भी किया।

निरीक्षण के दौरान कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने भोजन तैयार करने में इस्तेमाल की जा रही कच्ची खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, उसकी खरीद के मानकों और खाद्य पदार्थों के ब्रांड के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विशेष रूप से दूध एवं दुग्ध उत्पादों की शुद्धता पर जोर देते हुए निर्देश दिया कि दूध, पनीर और अन्य दुग्ध उत्पाद प्रमाणिक एवं विश्वसनीय दुकानों से ही खरीदे जाएं। साथ ही, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने को कहा।

कुलपति ने छात्रावासों में रह रहे छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद कर भोजन की गुणवत्ता और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में उनकी राय जानी। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन भी किया और व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को छात्रावासों में स्वच्छता बनाए रखने, रसोईघर और भोजनालय की नियमित सफाई कराने तथा खाद्य सामग्री की खरीद एवं भंडारण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक खरीदी गई खाद्य सामग्री का विवरण विधिवत स्टॉक रजिस्टर में दर्ज किया जाए और नियमित रूप से स्टॉक एंट्री की जाए।



कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, उन्हें पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने और छात्रावासों में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने और निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा का शुभारंभ, प्रचार वाहन एवं जागरूकता पैदल मार्च को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के प्रथम दिवस के अवसर पर आज कलेक्ट्रेट परिसर में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानन्द झा एवं पुलिस अधीक्षक (नगर) अनन्त चन्द्रशेखर द्वारा संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा प्रचार वाहन एवं जागरूकता पैदल मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।



इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने उपस्थित जनसामान्य एवं स्कूली बच्चों को यातायात नियमों के पालन एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रत्येक व्यक्ति को यातायात नियमों का पालन करना आवश्यक है। वाहन चलाते समय दोपहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने सभी से यातायात नियमों के प्रति सजग एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की अपील की।

कलेक्ट्रेट परिसर से प्रारंभ हुई जागरूकता रैली लाइन बाजार तिराहा, थाना लाइन बाजार एवं गांधी तिराहा होते हुए ए.आर.टी.ओ. कार्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। रैली के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों के पालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग तथा सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी यातायात सुनील चन्द्र तिवारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सत्येन्द्र कुमार सिंह, यात्री/मालकर अधिकारी प्रमोद कुमार, संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) अशोक कुमार यादव, ए.सी.एम.ओ. अरुण कुमार यादव, यातायात निरीक्षक मनोज कुमार पाण्डेय सहित यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महराजगंज ब्लॉक के गांवों में छठ पूजा हुई, तालाबों पर उमड़े श्रद्धालु

महिलाओं के साथ पुरुषों ने भी की पूजा

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के कई गांवों में छठ पूजा मनाई गई। तालाबों, पोखरों और जलाशयों के किनारे व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। महिलाओं के साथ पुरुषों ने भी पूजा में हिस्सा लिया। व्रती महिलाओं ने निर्जला व्रत रखा। पर्व की शुरूआत नहाय-खाय से होती है। इसमें व्रती स्नान के बाद सात्विक भोजन करती हैं। दूसरे दिन खरना होता है। दिनभर उपवास के बाद शाम को गुड़ की खीर, रोटी और प्रसाद ग्रहण किया जाता है। इसके बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है। तीसरे दिन व्रती महिलाएं बांस की टोकरी और सूप में ठेकुआ, फल, नारियल, गन्ना और दूसरी पूजन सामग्री लेकर जलाशयों के किनारे पहुंचीं। उन्होंने छठी मैया की पूजा की और डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। चौथे दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया गया। घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीत गाए गए। पुरुषों ने पूजा की तैयारियों, घाटों की सफाई और व्यवस्था में सहयोग किया। ग्राम पंचायत लमहन में सूर्य तालाब पर छठ पूजा के लिए स्वागत बैनर लगाया गया। ग्राम प्रधान वीरेंद्र पाल ने व्रतियों और श्रद्धालुओं का स्वागत किया। वीरेंद्र पाल ने ग्रामवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था, पवित्रता और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने ग्रामवासियों को छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं।

बदलापुर विधानसभा से कांग्रेस उतार सकती है प्रत्याशी

पीडीए गठबंधन के संभावित उम्मीदवार को लेकर चर्चा तेज

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सियासी हलचल तेज होने लगी है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चाओं के बीच बदलापुर विधानसभा सीट भी राजनीतिक नजरिए से अहम हो सकती है। कांग्रेस की ओर से पीडीए गठबंधन के तहत बदलापुर से प्रत्याशी उतारे जाने की संभावना को लेकर चर्चाएं तेज हैं। हालांकि, इस सीट पर कांग्रेस के दावे या उम्मीदवार को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से 181 सीटों की मांग की है। साथ ही रायबरेली और अमेठी की सभी विधानसभा सीटों पर भी दावा किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, कथित रूप से लीक हुई सीटों की सूची और इन दावों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।



खरगे के आवास पर हुई अहम बैठक: दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर अहम बैठक हुई। इसमें संगठन को मजबूत करने, चुनाव प्रचार की रणनीति और विभिन्न समितियों के गठन पर चर्चा की गई।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने बैठक के बाद बताया कि दिसंबर से चुनावी अभियान शुरू किया जाएगा। साथ ही सभी समितियों का गठन किया जाएगा। सीटों के बंटवारे के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर अगले दिन चर्चा होगी।

दिसंबर से चुनावी मोड में आएगी कांग्रेस: यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के मुताबिक, दिसंबर के पहले सप्ताह से पार्टी जोरदार चुनाव प्रचार शुरू करेगी। वहीं, कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद ने बताया कि चुनाव अभियान के तहत रैलियां और यात्राएं आयोजित करने की रणनीति तैयार की गई है। सीट बंटवारे पर इमरान मसूद ने कहा कि संबंधित बैठक संगठन को लेकर थी, इसलिए उसमें सीटों पर चर्चा नहीं हुई। उन्होंने जोर दिया कि लक्ष्य सीटों की संख्या नहीं, बल्कि चुनाव में जीत दर्ज करना है।

बदलापुर सीट पर किसे मिलेगा मौका: कांग्रेस और सपा के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर होने वाली बातचीत के बाद ही बदलापुर विधानसभा सीट की तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी। यदि गठबंधन में यह सीट कांग्रेस के खाते में जाती है, तो पार्टी यहां अपना उम्मीदवार उतार सकती है। फिलहाल संभावित प्रत्याशी के नाम और सीट के बंटवारे को लेकर किसी आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

अब देखना होगा कि गठबंधन के शीर्ष नेतृत्व के बीच बातचीत के बाद बदलापुर सीट पर किस दल को मौका मिलता है और पीडीए की ओर से कौन चुनावी मैदान में उतरता है।

विधायक सना मलिक को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं



मुंबई। रविवार को अणुशक्ति नगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक सना मलिक को उनके जन्मदिन के अवसर पर देवनार, मुंबई स्थित जनसंपर्क कार्यालय में शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), मुंबई वाहतूक कार्याध्यक्ष सज्जाद अली, मुंबई अल्पसंख्यक अध्यक्ष हाजी मुकलेश शेख सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने विधायक सना मलिक को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके सुखद एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। इस अवसर पर सना मलिक ने उपस्थित सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया तथा उनके लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की।

एटीएम में मदद के बहाने किशोरी का कार्ड लेकर उच्चकों ने उड़ाए 30 हजार रुपये,

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के नईगंज मोहल्ले में एसआरएस हॉस्पिटल के पास स्थित एटीएम में मदद करने के बहाने एक किशोरी के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि उच्चकों ने किशोरी का एटीएम कार्ड लेकर अलग-अलग स्थानों से 30 हजार रुपये निकाल लिए। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर दरवेश अली गांव निवासी खुशबू भारती शनिवार को दोपहर करीब सवा 12 बजे एटीएम से 10 हजार रुपये निकालने पहुंची थी। इसी दौरान उसका एटीएम कार्ड मशीन में फंस गया। काफी प्रयास के बाद भी जब कार्ड नहीं निकला तो वहां मौजूद एक युवक ने उसकी मदद करने का नाटक किया। युवक ने कार्ड निकालने का प्रयास किया और असफल होने पर किशोरी से उसका पिनकोड पूछ लिया। कुछ देर बाद किशोरी एटीएम कक्ष से बाहर निकली तो मौका पाकर युवक उसका कार्ड लेकर फरार हो गया। आरोप है कि इसके बाद युवक ने अलग-अलग स्थानों से किशोरी के खाते से 30 हजार रुपये निकाल लिए। खाते से रकम निकलने की जानकारी होने पर किशोरी ने तत्काल एटीएम कार्ड लॉक कराया और कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर युवक की पहचान करने का प्रयास कर रही है। खबर लिखे जाने तक पुलिस की ओर से मामले में मुकदमा दर्ज किए जाने की पुष्टि नहीं हुई थी।

दुद्धी में आस्था का महाकुंभ, शिवाजी तालाब व लवकुश पार्क घाट पर सजी भव्य गंगा आरती, काशी के पंडितों ने कराया अनुष्ठान



दुद्धी ,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। लोक आस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन रविवार को दुद्धी कस्बे में असीम आस्था, श्रद्धा और सांस्कृतिक उल्लास का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। कस्बे के प्राचीन शिवाजी तालाब और कैलाश कुंज द्वार स्थित लवकुश पार्क मलदेवा छठ घाट पर आयोजित भव्य गंगा आरती ने पर्व की दिव्यता में चार चांद लगा दिए। अलौकिक दीपों की रोशनी और वैदिक मंत्रोच्चारण से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। जय बजरंग अखाड़ा समिति के तत्वावधान में प्राचीन शिवाजी तालाब पर आयोजित मुख्य गंगा आरती का शुभारंभ मुख्य अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल और विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। काशी से आए विद्वान पंडितों द्वारा पूरे विधि विधान और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ गंगा आरती संपन्न कराई गई। आरती के दौरान दीपों और घंटियों घड़ियालों की गूंज के बीच तालाब परिसर का विहंगम दृश्य देख वहां उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालु भाव विभोर और मंत्रमुग्ध नजर आए। वहीं कस्बे से लगे कैलाश कुंज द्वार स्थित लवकुश पार्क मलदेवा छठ घाट पर आदर्श युवा क्लब के तत्वावधान में भी भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। यहाँ भी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विधिवत आरती संपन्न हुई। इस भव्य आयोजन में डॉ. लवकुश प्रजापति, डॉ. हर्षवर्धन, डॉ. जयवर्धन और ग्राम प्रतिनिधि निरंजन जायसवाल समेत क्षेत्र के कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। आदर्श युवा क्लब की ओर से पधारे सभी अतिथियों, विशिष्ट जनों और आयोजन को सफल बनाने वाले कार्यकताओं को अंगवस्त्रम ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। दोनों घाटों पर आयोजित इन भव्य गंगा आरती कार्यक्रमों ने दुद्धी में छठ महापर्व के उल्लास को और अधिक प्रगाढ़ कर दिया, जिसमें स्थानीय प्रशासन, समितियों और आम जनमानस की सक्रिय भागीदारी ने इसे ऐतिहासिक बना दिया।

चाणक्य महासभा के संस्थापक की मनाई गई तीसरी पुण्यतिथि

तेजी बाजार ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के हैदरपुर गांव में चाणक्य महासभा के संस्थापक डॉक्टर राम आश्रय द्विवेदी की तीसरी पुण्यतिथि सोमवार को मनाई गई। उनके आवास पर कार्यक्रम हुआ।सुंदरकांड पाठ के बाद श्रद्धांजलि सभा हुई। सभा की अध्यक्षता महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित विश्वनाथ मिश्र ने की। उन्होंने डॉक्टर द्विवेदी के चित्र पर फूल चढ़ाए और उनके व्यक्तित्व व कामों पर बात की।मिश्र ने कहा कि संस्थापक नैतिक मूल्यों की रक्षा के लिए हमेशा प्रयास करते रहे। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रजनाथ पाठक, सुनील तिवारी, राकेश पांडेय, रविंद्र मिश्रा, महेंद्र पांडेय, चंद्रमणि पांडेय, शैलेंद्र प्रजापति, सत्य प्रकाश दुबे, विवेक पांडेय, डॉ. प्रभात विक्रम सिंह और चंद्र प्रकाश सिंह बिंदु शामिल हुए। ग्राम प्रधान जगदीश चंद्र उपाध्याय, चंद्रप्रकाश अस्थाना, सूर्य भूषण त्रिपाठी, राजकुमार यादव, राकेश पांडेय, प्रधान कुंदन सिंह, दुर्गेश द्विवेदी, रमन आदित्य, श्रीश, हार्दिक और वेद द्विवेदी समेत सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के आयोजक अधिवक्ता योगेश द्विवेदी ने सभी आगंतुकों का आभार जताया।

खड़ी बस से टकराई बाइक, युवक घायल

तेजी बाजार ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा के ग्राम सभा बढ़ौना के पास सोमवार को एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक की बाइक सड़क किनारे खड़ी बस में पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसे के बाद घटनास्थल पर कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। जानकारी के अनुसार, ग्राम सभा बढ़ौना निवासी अवनीश, पुत्र सभाजीत, सोमवार को बाइक से कहीं जा रहा था। इसी दौरान वह बढ़ौना मोड़ के पास पहुंचा, जहां सड़क किनारे एक बस खड़ी थी। बताया जाता है कि इसी दौरान उसकी बाइक अनियंत्रित होकर खड़ी बस के पिछले हिस्से से टकरा गई।

हादसे में अवनीश को गंभीर चोटें आईं। घटना की जानकारी मिलते ही हल्का प्रभारी फतेहगंज सकल दीप सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और तत्काल डायल 108 एंबुलेंस को सूचना देकर बुलवाया। एंबुलेंस की सहायता से घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। हादसे की खबर मिलते ही आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। पुलिस की तत्परता से घायल को समय रहते अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ देर तक हलचल बनी रही।

प्रभादेवी चौपाटी पर पहली बार भव्य छठ पूजा महोत्सव का आयोजन, 100 व्रती महिलाओं ने दिया सूर्यदेव को अर्घ्य

मुंबई। लोक आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर मुंबई के प्रभादेवी चौपाटी स्थित पी. बालू मार्ग, टाटा प्रेस गली में पहली बार भव्य छठ पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। 15 नवंबर की शाम से शुरू हुआ यह धार्मिक आयोजन 16 नवंबर 2026 की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और भक्तिभाव से संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन भाजपा मुंबई के अध्यक्ष अमित साटम, भाजपा मुंबई के पदाधिकारी आर.डी. सोनकर तथा मुंबई महानगरपालिका के जी/दक्षिण विभाग के सहयोग से किया गया। आयोजन में करीब 100 छठ व्रती माताओं एवं बहनों ने अपने परिवारों के साथ विधि-विधान से भगवान सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा-अर्चना की। वहीं दादर, प्रभादेवी, वर्ली सहित आसपास के



क्षेत्रों से 300 से अधिक श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए बीएमसी के जी/दक्षिण विभाग की ओर से कृत्रिम तालाब, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय एवं चेंजिंग रूम की समुचित व्यवस्था की गई थी। वहीं दादर पुलिस स्टेशन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। कार्यक्रम के आयोजक एवं निमंत्रक भाजपा मुंबई के पदाधिकारी आर.डी. सोनकर तथा श्रीमती रानूदेवी आर.डी. सोनकर की ओर से श्रद्धालुओं के लिए चाय एवं पानी की व्यवस्था भी की गई थी।

इस अवसर पर उत्तर भारतीय मोर्चा मुंबई के महामंत्री विनय दुबे, पत्रकार गंगाराम विश्वकर्मा, महिला मोर्चा की पदाधिकारी अनघा चांगले, समाजसेवी प्रशांत त्रिपाठी, राधे सरोज, जितेंद्र कनोजिया, संजय श्रीवास्तव, बालगोविंद तिवारी, अशोक कलवार, बिपिन राय, मुरलीधर नायर, बिम्बाधर भाटकर, चित्रा नाविक, सोनिका सूद, वंदना सोनकर, उमा राय, माही सिंह, सुकेश जक्कनी, काशीनाथ गुप्ता, केदारनाथ सोनकर, सौरभ सोनकर एवं कल्लू वर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अलावा बीएमसी जी/दक्षिण वार्ड के अधिकारी श्री थोरात एवं उनके सहयोगियों, सफाई कर्मचारियों तथा दादर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के समापन पर आयोजक एवं निमंत्रक आर.डी. सोनकर ने सभी छठ व्रती माताओं-बहनों, श्रद्धालुओं, अतिथियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिसकर्मियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग और सहभागिता से प्रभादेवी चौपाटी पर पहली बार आयोजित छठ पूजा महापर्व का यह धार्मिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सायन कोलीवाड़ा में कांग्रेस द्वारा छठमईया महापर्व बड़े धूमधाम से मनाया



मुंबई (उत्तर शक्ति)। छठ महापर्व सायन कोळीवाडा काँग्रेस कमिटी की तरफ से अखिल भारतीय काँग्रेस कमिटी सदस्य अमित शेट्टी , समाजसेवक राकेश पांडे , ईश्वर चॅरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष सदा अण्णा , युवा नेता शानुर शेख , समाजसेवक राजदेव यादव , जसबीर सिंग वीरा , भूतपूर्व नगरसेवक युवा नेता अशोक कुर्मी , राधेश्याम गुप्ता, डॉ भोलानाथ चौहान, अकरम खान , शिवचंद्र यादव , तानाजी घाग , जयप्रकाश तिवारी , गुड्डू पांडे , गुड्डू त्रिपाठी, राघवेंद्र पांडे , भूतपूर्व ब्लॉक अध्यक्ष वाहिद भाई व असंख्य लोगो ने उपस्थित रह कर कार्यक्रम को सफल बनाया । महिलाओं ने उपस्थित होकर पूजा पाठ करके छठ मैया का आशीर्वाद प्राप्त किया इस कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ समाजसेवक राकेश पांडे ने किया ।

रोमानोव ने फाइस्टी ग्वावा चिली के साथ मजबूत किया अपना पोर्टफोलियो

ठाणे (उत्तरशक्ति)। भारत के सबसे पसंदीदा वोडका ब्रांड्स में से एक, इनब्रू बेवरेजेज के रोमानोव वोडका ने एक और खास फ्लेवर पेश करते हुए महाराष्ट्र में फाइस्टी ग्वावा चिली फ्लेवर्ड वोडका लॉन्च किया है। इसमें अमरूद की मिठास के साथ मिर्च का साफ झलकता तीखापन मिलता है। स्वादों का यह दिलचस्प मेल रोमानोव के बढ़ते फ्लेवर्ड वोडका पोर्टफोलियो में एक अलग विकल्प जोड़ता है।

यह लॉन्च आज के उपभोक्ताओं के लिए स्वाद के अनुभव को नए सिरे से गढ़ने की रोमानोव की प्रतिबद्धता को और पक्का करता है। इसके लिए ब्रांड बाजार में ताजगी भरे, समकालीन उत्पाद ला रहा है। चटक गुलाबी रंग और आधुनिक पैकेजिंग के साथ फाइस्टी ग्वावा चिली ब्रांड की फ्लेवर्ड वोडका रेंज को देखने में भी अलग पहचान देता है। रेडी व्हेन यू आर की अपनी सोच पर कायम रहते हुए रोमानोव एक ऐसा वोडका अनुभव पेश करता है, जिसका आनंद आसानी से लिया जा सके और जो अलग-अलग मौकों और पसंद में आराम से फिट हो जाए। कई तरह से परोसे जा सकने और सहजता से मिक्स हो जाने की इसकी खूबी इसे उपभोक्ताओं के लिए एक सुलभ विकल्प बनाती है, चाहे इसे रोजमर्रा के मिक्सर के साथ मिलाया जाए या अलग-अलग कॉकटेल के बेस के रूप में इस्तेमाल किया जाए।

इस लॉन्च पर इनब्रू बेवरेजेज के जनरल मैनेजर (मार्केटिंग) सुमित तिवारी ने कहा, अपने व्हाइट स्पिरिट्स पोर्टफोलियो में हम लगातार कुछ नया कर रहे हैं, और हमारा ध्यान स्वादों के ऐसे मेल पेश करने पर है जो उपभोक्ताओं की बदलती पसंद से प्रेरित हों। अमरूद और मिर्च का मेल भारतीय जुबान को पुराने दिनों में ले जाता है, जब अमरूद की मिठास का मजा मिर्च के तड़के के साथ लिया जाता था। रोमानोव फाइस्टी ग्वावा चिली इसी पसंदीदा जोड़ी को हमारी फ्लेवर्ड वोडका रेंज में एक दिलचस्प अंदाज में लेकर आया है। इस लॉन्च के साथ हम अपने पोर्टफोलियो में एक और खास पेशकश जोड़ रहे हैं और भारतीय बाजार में रोमानोव की पकड़ को और मजबूत कर रहे हैं।

छठ महापर्व का उषा अर्घ्य के साथ हुआ भव्य समापन

एनसीएच कॉलोनी, कांजुरमार्ग में चार दिवसीय छठ पूजा में नौसेना के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा

-लाल शेखर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लोक आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर एनसीएच कॉलोनी, कांजुरमार्ग में चार दिवसीय छठ महापर्व का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। 16 नवंबर की सुबह उगते सूर्य को उषा अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही इस धार्मिक आयोजन का विधिवत समापन हुआ।

इस पावन अवसर पर भारतीय नौसेना (इंडियन नेवी) के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारों सहित कॉलोनी के बड़ी



संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक आस्था, पारंपरिक रीति-रिवाजों और भक्ति का सुंदर संगम देखने को मिला। छठ व्रतियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस आयोजन को सफल बनाने में श्री राम चर्चा समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय, महासचिव सुरेंद्र सिंह यादव, संरक्षक श्याम बर्न सिंह, सुधीर मिश्रा, मुन्ना तिवारी, सत्येंद्र तिवारी, सुभाष मिश्रा एवं अखिलेश्वर कुमार श्रीवास्तव सहित नीरज कुमार, अमलेश सिंह, मुन्ना सिंह, राकेश तिवारी, घनश्याम सिंह, कृष्ण मुरारी सिंह, जितेंद्र कुमार सिंह, ओमप्रकाश शुक्ला, मोहन कुमार, राजीव पांडेय एवं आर.वी. सिंह का विशेष योगदान रहा। समिति ने सभी छठ व्रतियों, श्रद्धालुओं, सहयोगकताओं एवं कॉलोनीवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में भी सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में इसी प्रकार सामूहिक सहभागिता बनाए रखने की अपील की। चार दिनों तक चले इस पावन पर्व के समापन पर श्रद्धालुओं ने छठी मैया एवं सूर्य देव से सभी के जीवन में सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव की सजीव झांकी देख भाव-विभोर हुए श्रद्धालु



अमेठी। भक्तों की रक्षा और धर्म की स्थापना के लिए भगवान विष्णु धरती पर अवतरित होते हैं। यहां पर बाल लीलाएं करते हुए अत्याचारियों एवं असामाजिक तत्वों का समूल विनाश कर धर्म की स्थापना करते हैं। यह अमृत उद्गार सुप्रसिद्ध कथावाचक डॉ रघुपति त्रिपाठी महाराज ने व्यक्त किया। वे अमेठी के समीप ग्राम सभा दरखा में आयोजित नव दिवसीय श्रीमद् भागवत पर प्रवचन कर रहे थे। कथा के पंचम दिवस पर भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव के पावन अवसर पर भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरा कथा पंडाल 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारों से गूंज उठा।

कथा के पंचम दिन महाराज जी ने भगवान श्री कृष्ण के प्राकट्य एवं बाल लीलाओं का अत्यंत भावपूर्ण और विस्तृत वर्णन किया। इस समय पेश की गई श्री कृष्ण जन्म की सजीव झांकी ने सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया और भक्तजन भक्ति संगीत की धुनों पर झूमते नजर आए। गौरतलब है कि यह भव्य धार्मिक कार्यक्रम शिक्षा से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपना लोहा मनवा चुके डॉ. आशुतोष द्विवेदी के संयोजकत्व तथा सौरभ द्विवेदी (जिला अध्यक्ष, राष्ट्रीय हिंदू स्वयंसेवक संघ युवा प्रकोष्ठ, अमेठी) के नेतृत्व में चल रही है। भागवत कथा का रसपान करने के लिए देश और राज्य से हर क्षेत्र की हस्तियां पहुंच रही हैं। डॉ आशुतोष के ननिहाल पक्ष जलालपुर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा सुनने के लिए आ रहे हैं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कृपा शंकर द्विवेदी, रमाशंकर द्विवेदी, सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 200 से अधिक लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

मुंबई। रविवार को सोशल एजुकेशनल वैल्यूएबल एसोसिएशन के अध्यक्ष सगीर अंसारी, राजावाड़ी अस्पताल की दक्षता समिति के सदस्य एवं भाऊ समर्थक टीम के संयुक्त तत्वावधान में शिवाजीनगर स्थित मुंबई बीएमसी स्कूल में भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में नागरिकों के लिए आंखों की जांच, हृदय संबंधी जांच, ब्लड प्रेशर एवं ब्लड शुगर की जांच सहित एक्स-रे और विभिन्न चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयां एवं एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी और बायपास सर्जरी जैसी चिकित्सा सेवाओं के लिए मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान की गई। कार्यक्रम में समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), सज्जाद अली,



शमशाद अरशद सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। वार्ड क्रमांक 114 की नगरसेविका राजुल संजय दीना पाटिल ने भी विशेष रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर अतिथियों एवं समाजसेवकों का शॉल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) ने भी शिविर में अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई। शिविर में 200 से अधिक नागरिकों ने पहुंचकर विभिन्न स्वास्थ्य जांचों एवं चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाया। आयोजकों की इस जनहितकारी पहल की उपस्थित नागरिकों ने सराहना की। आयोजकों का कहना है कि इस तरह के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर गरीब, जरूरतमंद एवं आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इंदौर में उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व का समापन

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तर शक्ति)। उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ सोमवार सुबह चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हो गया। इंदौर के अलग-अलग छठ घाटों पर तड़के से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी।

सुबह की पहली किरण के साथ व्रतियों ने ठंडे पानी से भरे जलकुंडों में खड़े होकर भगवान सूर्य की आराधना की। फल, ठेकुआ और पारंपरिक प्रसाद से सजी बांस की टोकरी हाथों में लेकर दूध और गंगाजल से सूर्यदेव को अर्घ्य दिया। साथ ही परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। छठ गीतों और सूर्य उपासना के मंत्रों से घाटों का माहौल भक्तिमय बना रहा। अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाया और ठेकुआ, फल सहित अन्य प्रसाद वितरित किया। श्रद्धालु एक-दूसरे को पर्व की शभकामनाएं देते नजर आए। इस



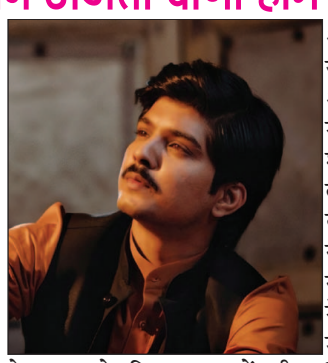
दौरानदरभंगा निवासी उषा झा साष्टांग दंडवत करते हुए छठ घाट पहुंचीं। उनकी कठिन साधना श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र रही। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने पार्षद सुरेश कुड़वाडे के साथ निपानिया स्थित समर पार्क छठ घाट पर पहुंचकर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। वहीं, सांसद शंकर लालवानी ने विजय नगर छठ घाट पर पूजा-अर्चना की।

पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान मध्य प्रदेश के महासचिव केके झा ने बताया कि शहर के विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर चार दिवसीय अनुष्ठान पूरा किया।संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह ने कहा कि इस बार छठ महापर्व में पूर्वांचल के लोगों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साह से भागीदारी की। इससे स्पष्ट है कि छठ अब केवल बिहार और पूर्वांचल के लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि इंदौर की साझा सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकता का प्रतीक बन रहा है। अंतिम अर्घ्य के साथ व्रतियों की चार दिनों की कठिन साधना पूरी हुई। घाटों से लौटते श्रद्धालुओं के चेहरों पर अनुष्ठान पूरा होने का संतोष था। साथ ही अगले वर्ष फिर इसी श्रद्धा और उल्लास के साथ छठ मनाने की उम्मीद भी नजर आई।

नवी मुंबई कॉमिक कॉन के पहले संस्करण में रैपर फरहान खान और कॉमेडियन उर्जिता वाणी होंगे खास आकर्षण

नवी मुंबई। कॉमिक कॉन इंडिया पहली बार नवी मुंबई में अपने लोकप्रिय पॉप-कल्चर महोत्सव का आयोजन करने जा रहा है। मारुति सुजुकी प्रस्तुत एवं क्रंच्यरोल द्वारा संचालित नवी मुंबई कॉमिक कॉन का आयोजन 28 और 29 नवंबर 2026 को सीआईडीसीओ एग्जिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा। इस पहले संस्करण में कॉमेडी और संगीत की शानदार प्रस्तुतियों के साथ भारतीय कलाकारों की रचनाओं को प्रदर्शित करने वाला आर्टिस्ट एली, इंटरैक्टिव पैनल चचाएं, कॉस्प्ले प्रतियोगिताएं और कई अन्य आकर्षक गतिविधियां शामिल होंगी। मनोरंजन, रचनात्मकता और पॉप-कल्चर का अनूठा अनुभव प्रदान करने वाला यह महोत्सव प्रशंसकों के लिए खास आकर्षण होगा।

संगीत प्रेमियों को भारत के स्वतंत्र संगीत और हिप-हॉप जगत



के कुछ लोकप्रिय कलाकारों की प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी। इस सूची में रैपर फरहान खान शामिल हैं, जो समकालीन रैप संगीत को पारंपरिक उर्दू शायरी और आत्मचिंतन से जुड़ी कहानियों के साथ प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते हैं। उनके साथ नागपुर के कलाकार प्रथेमेश भी अपनी प्रस्तुति देंगे, जो अपनी सहज गायन शैली, आकर्षक हुक्स और अनूठे राइमिंग पैटर्न के लिए पहचाने जाते हैं। इसके अलावा, रैप रियलिटी शो लेगेसी के जरिए लोकप्रिय हुए बिग स्मोक भी अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। मनोरंजन की इस शानदार श्रृंखला में कॉमेडियन, लेखिका और पॉडकास्टर उर्जिता वाणी भी शामिल होंगी। वह अपने सहज हास्य और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े अनुभवों को रोचक अंदाज में पेश करने के लिए जानी जाती हैं। उनके साथ ऑडियोमैटिक द्वारा निर्मित एक लड़ी पाव भी दर्शकों के सामने होगा, जो मुंबई की खास रंगत के साथ कहानी कहने और रोजमर्रा की घटनाओं पर आधारित हास्य प्रस्तुत करने वाला पॉडकास्ट है। इसके अलावा, स्टैंड-अप कॉमेडियन आदित्य गुंडेटी द्वारा अपने लोकप्रिय किरदार विकास पीटी सर के माध्यम से तैयार और होस्ट किया जाने वाला चर्चित कॉमेडी गेम शो प्रॉक्सी पीरियड्स भी इस आयोजन का हिस्सा होगा।





उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ चार दिवसीय महापर्व का समापन, 36 घंटे के निर्जला व्रत की पूर्ण हुई साधना

-सुरेश गांधी

वाराणसी। आन दिन उगइ छा हो दीनानाथ, महिमा तोहार अपार हे छठी मईया... और अपनी शरण में ही रखिह छठी मईया, दिह आसिस हजार... जैसे पारंपरिक लोकगीतों की स्वर-लहरियां जब गंगा की लहरों से टकराकर काशी के घाटों पर गूंजने लगीं तो लगा, मानो पूरी नगरी सूर्योपासना में लीन हो गई हो। पूरब का आसमान धीरे-धीरे लालिमा से रंग रहा था और गंगा की लहरों पर पड़ती भोर की रोशनी आस्था के अद्भुत दृश्य को और अलौकिक बना रही थी। जल में कमर तक खड़े व्रती, हाथों में सजे पूजन के सूप, फल-फूल, नारियल, ठेकुआ और दीपों की कतारें... हर दृश्य में श्रद्धा का अपना रंग था। उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हुए व्रतियों ने परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीघार्यु, आरोग्य और समाज के कल्याण की कामना की। इसी के साथ 36 घंटे के निर्जला उपवास की कठिन साधना पूरी हुई और चार दिवसीय लोकआस्था के महापर्व छठ का विधि-विधान से समापन हो गया।

सूर्य की प्रतीक्षा में टकटकी, फिर लालिमा से खिल उठा आसमान

छठ की भोर केवल सूर्योदय की प्रतीक्षा नहीं, बल्कि धैर्य, विश्वास और तपस्या की परीक्षा भी होती है। शास्त्री घाट पर भोर में श्रद्धालुओं की निगाहें पूरब की ओर टिकी थीं। सूर्यदेव के दर्शन में विलंब हो रहा था। कुछ व्रतियों ने प्रतीक्षा के बीच ही अर्घ्य देना शुरू कर दिया था तो अनेक श्रद्धालु सूर्य की पहली झलक पाने के लिए जल में खड़े रहे। किसी के हाथ जुड़े थे तो कोई सूप संभाले छठी मइया का स्मरण कर रहा था। आखिरकार प्रतीक्षा का क्षण आया और पूरब के क्षितिज पर लालिमा बिखरने लगी। आकाश में सूर्य की आभा उभरते ही घाटों पर मंत्रोच्चार



और लोकगीतों के स्वर तेज हो उठे। व्रतियों ने गंगा की धारा में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य दिया। यह दृश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति और मनुष्य के बीच सदियों पुराने आत्मीय रिश्ते की जीवंत अभिव्यक्ति था।

घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब, रात से ही शुरू हो गई थी तैयारी

उषाकालीन अर्घ्य से पहले ही आधी रात के बाद से श्रद्धालु परिवार सहित गंगा घाटों की ओर बढ़ने लगे थे। किसी के सिर पर बांस की दौरी थी तो किसी के हाथ में पूजन सामग्री से सजा सूप। महिलाएं फल, नारियल, गन्ना, ठेकुआ और अन्य प्रसाद संभाले छठी मइया के गीत गाती आगे बढ़ रही थीं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर उम्र के लोग इस अनुष्ठान का हिस्सा बने। गंगा, वरुणा, अस्सी, राजघाट, सामनेघाट, शास्त्री घाट सहित शहर के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। ग्रामीण क्षेत्रों के तालाबों, पोखरों और कुंडों पर भी इसी तरह का उत्साह दिखाई दिया। कई स्थानों पर कृत्रिम जलाशय बनाकर अर्घ्य की व्यवस्था की गई थी। घाटों को दीपों, फूलों और रंग-बिरंगी झालरों से सजाया गया था। कहीं विद्युत झालरों की रोशनी गंगा की लहरों पर प्रतिबिंबित हो रही थी तो कहीं मिट्टी के दीप अंधकार को चुनौती देते नजर आए। रात की नीरवता में छठ गीतों की गूंज और दीपों की टिमटिमाहट ने ऐसा वातावरण रचा, जिसमें काशी की धार्मिक परंपरा और लोकजीवन की सहज आत्मीयता एकाकार हो गई।

सोलह शृंगार, सजे सूप और अटूट विश्वास

व्रती महिलाएं पारंपरिक परिधान और सोलह शृंगार में घाटों पर पहुंचीं। माथे पर सिंदूर की लंबी रेखा, हाथों में पूजा का सूप और चेहरे पर कठिन व्रत के बावजूद अद्भुत तेज दिखाई दे रहा था। पुरुष व्रती भी पूरी निष्ठा से अनुष्ठान में सहभागी बने। बांस के सूप और दौरी में सजे मौसमी फल, नारियल, गन्ना, अदरक, हल्दी, ठेकुआ और अन्य प्रसाद प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के प्रतीक बने। कहीं परिवार के सदस्य व्रती के पीछे हाथ जोड़े खड़े थे तो कहीं बच्चे अपने माता-पिता के साथ पूजा की हर विधि को कौतूहल और श्रद्धा से देख रहे थे। लोकगीतों के बीच वैदिक मंत्रों का स्वर भी गूंजता रहा। आस्था के इस वातावरण में जाति, वर्ग और सामाजिक भेद की सीमाएं जैसे स्वतः विलीन हो गईं।

अर्घ्य के बाद पारण, प्रसाद में बंटी खुशियां

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद व्रतियों ने छठी मइया को नमन किया और परिवार के सदस्यों का आशीर्वाद लिया। इसके बाद पारण की परंपरा निभाई गई। ठेकुआ, केला, नारियल और अन्य प्रसाद परिजनों, पड़ोसियों और परिचितों में वितरित किए गए। घाटों से घर लौटते श्रद्धालुओं के चेहरों पर चार दिनों की साधना पूरी होने का संतोष और उल्लास साफ झलक रहा था। जिन घरों में कई दिनों से छठ गीतों और पूजा की तैयारियों का वातावरण था, वहां अब प्रसाद वितरण और पारिवारिक मिलन की रौनक थी। कठिन निर्जला व्रत के बाद पारण का यह क्षण व्रतियों के लिए विशेष तृप्ति और आत्मिक संतोष लेकर आया।

छठ पर्व की शुरूआत नहाय-खाय से होती है। इसके बाद खरना में शुद्धता और सात्विकता के साथ प्रसाद तैयार कर ग्रहण किया जाता है। फिर आरंभ होता है निर्जला उपवास, जिसका पहला पड़ाव अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य और अंतिम पड़ाव उदीयमान सूर्य को प्रातःकालीन अर्घ्य है। इन चार दिनों में व्रती खान-पान से लेकर व्यवहार और पूजा की प्रत्येक प्रक्रिया में विशेष शुद्धता, अनुशासन और संयम का पालन करते हैं। यही वजह है कि छठ को केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि आत्मशक्ति और आत्मसंयम की अनूठी साधना माना जाता है।

प्रकृति, परिवार और परमात्मा को एक सूत्र में पिरोता पर्व

छठ की विशिष्टता यह है कि इसमें प्रकृति के प्रत्यक्ष उपादानों को ही आराधना का आधार बनाया गया है। सूर्य जीवन, ऊर्जा और प्रकाश के स्रोत हैं तो जल जीवन का आधार। धरती की उपज से तैयार प्रसाद के माध्यम से प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है। लोकमान्यता में छठी मइया संतान की रक्षा, आरोग्य और परिवार के कल्याण की अधिष्ठात्री मानी जाती हैं। इस पर्व में मातृत्व की ममता, पारिवारिक एकजुटता और सामाजिक सहभागिता का अद्भुत रूप दिखाई देता है।

ब्रिटिश काउंसिल मुंबई में लगाएगी स्टडी यूके एजुकेशन फेयर



मुंबई। ब्रिटिश काउंसिल इसी महीने अपने स्टडी यूके एजुकेशन फेयर के जरिए ब्रिटेन की 50 से ज्यादा यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों को भारत ला रही है। ब्रिटिश काउंसिल सांस्कृतिक रिश्तों और शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाली ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय संस्था है। डिब्रूगढ़, नई दिल्ली और मुंबई में लगने वाले इन फेयर में अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट पढ़ाई की योजना बना रहे छात्र और उनके अभिभावक ब्रिटेन के उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधियों से आमने-सामने मिल सकेंगे और जान सकेंगे कि वहां पढ़ाई और करियर के कौन-कौन से रास्ते खुले हैं। फेयर का सिलसिला 19 नवंबर को डिब्रूगढ़ से शुरू होगा। 21 नवंबर को नई दिल्ली में फेयर लगेगा और 23 नवंबर 2026 को मुंबई में इसका समापन होगा। यहां आने वाले लोग यूनिवर्सिटी प्रतिनिधियों से बात करके अपनी पसंद के विषय और करियर के लक्ष्य के हिसाब से कोर्स के बारे में पता कर सकेंगे। एडमिशन की शर्तों, ट्यूशन फीस और स्कॉलरशिप की जानकारी के साथ उन्हें यह सलाह भी मिलेगी कि आवेदन कैसे करें। सोमवार, 23 नवंबर 2026 दोपहर 1:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक, ताज प्रेसिडेंट मुंबई - IHCL सिलेक्शन्स, 90 कफ परेड, कोलाबा। फेयर में प्रवेश मुफ्त है, लेकिन पहले से रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी है। छात्र, अभिभावक और दूसरे इच्छुक लोग ब्रिटिश काउंसिल इंडिया की वेबसाइट पर अपना पसंदीदा शहर चुनकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

ब्रिटिश काउंसिल की डायरेक्टर एजुकेशन झ इंडिया, रितिका चंदा पारुक एमबीई ने कहा, रब्रिटेन में पढ़ाई का मतलब अंतरराष्ट्रीय मान्यता वाली डिग्री हासिल करने से कहीं ज्यादा है। वहां छात्रों को अपना नजरिया ग्लोबल बनाने और खुद सोचने व मुश्किलें सुलझाने की काबिलियत निखारने का मौका मिलता है। वे अलग-अलग संस्कृतियों और सोच को करीब से देख पाते हैं और ऐसे रिश्ते बना पाते हैं, जो आगे चलकर उनकी निजी और पेशेवर जिंदगी को दिशा दे सकते हैं।

पं.जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन पर युवक कांग्रेस ने धूमधाम से मनाया बाल दिवस



मुंबई। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन पर उत्तर मध्य मुंबई जिला युवक कांग्रेस द्वारा खार पश्चिम ,बांद्रा पश्चिम में धूमधाम से बाल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर के काटकर बच्चों को उपहार बांटे गए। उपस्थित बच्चों की खुशियां देखने लायक थी। इस अवसर पर बच्चों के साथ मुंबई में खराब हो रही आबो हवा को लेकर चिंता व्यक्त की गई। युवक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष निखिल रूपारेल ने कहा कि मुंबई की हवा दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है, जिसके चलते बच्चों के भविष्य पर एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार इस विषय को लेकर मौन है। बाल दिवस का यह सुंदर कार्यक्रम मुंबई युवक कांग्रेस जीनत सबरीन तथा उत्तर मध्य मुंबई युवक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष निखिल रूपारेल के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर मुस्तकीम शेख, विकास जैसवार, फारुख शेख, साहिल शर्मा, अरविंद साहनी, गणेश पवार, नदीम वारसी, साद खान समेत युवक कांग्रेस के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं जनजातीय गौरव महोत्सव सप्ताह उत्साहपूर्वक मनाया गया

मुंबई। भाजपा दक्षिण मुंबई जिला अध्यक्ष शलाका सालवी के निदेर्शानुसार भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव महोत्सव सप्ताह हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष एवं समाज के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में जनजातीय समाज के उत्थान, विकास और कल्याण के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी उपस्थित लोगों को दी गई। इस अवसर पर गिरधर मारू, गंगा पांड्या, सहसंयोजक एवं भटक्या विमुक्त आघाडी के जिलाध्यक्ष अमित आखाडे, दीपाली मालुसरे, मंगेश मालुसरे, अल्पना, राणा, अनिल परमार, माडी चव्हाण, निमेश जैन सहित भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के जिला संयोजक नागेश सुनंदा तुकाराम तांबेडकर ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दुनिया की 3 महाशक्तियां पहली बार होंगी आमने-सामने

नईदिल्ली। चीन, अमेरिका और रूस के राष्ट्रपतियों के बीच पहली त्रिपक्षीय बैठक 19 नवंबर को होगी। चीन के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को इस बात की पुष्टि की। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन से इतर शेनझेन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मेजबानी करेंगे। चीन 18 और 19 नवंबर को APEC आर्थिक नेताओं की 33वीं बैठक की मेजबानी करेगा जिसमें इस समूह के 21 सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। यह बैठक इन तीनों शक्तिशाली देशों के राष्ट्रपतियों के बीच होने वाला पहला त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन होगा। बैठक में संघर्षों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और परमाणु हथियारों की संख्या में कमी सहित कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। परमाणु हथियारों पर चर्चा ऐसे समय में होने की संभावना है, जब फरवरी में अमेरिका और रूस के बीच नयी सामरिक शस्त्र न्यूनीकरण संधि (न्यू स्टार्ट) की अवधि समाप्त होने के बाद वैश्विक हथियार नियंत्रण के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। दोनों देशों के बीच परमाणु हथियारों पर नियंत्रण से जुड़ा यह आखिरी प्रमुख द्विपक्षीय समझौता था। 'न्यू स्टार्ट' संधि के तहत अमेरिका और रूस के परमाणु हथियारों के जखीरे पर कानूनी रूप से बाध्यकारी सीमाएं तय की गई थीं। इसकी अवधि समाप्त होने के बाद दुनिया की दो सबसे बड़ी परमाणु शक्तियों के पास अब ऐसी कोई बाध्यकारी सीमा नहीं रह गई है। 'व्हाइट हाउस' की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने पिछले सप्ताह मीडिया से कहा , "राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया है कि अन्य विषयों के अलावा वह दुनिया में परमाणु हथियारों में कटौती पर भी चर्चा करेंगे।

विद्या बालन के साथ अर्पण ने लॉन्च किया बाल सुरक्षा सप्ताह 2026



मुंबई। बाल लैंगिक शोषण की रोकथाम और पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए समर्पित वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित गैर-लाभकारी संस्था अर्पण ने अपने वार्षिक देशव्यापी जन-जागरूकता अभियान ह्यबाल सुरक्षा सप्ताह 2026 के 8वें संस्करण की शुरूआत की है। 20 नवंबर तक चलने वाले इस अभियान से अभिनेत्री और अर्पण की गुडविल एंबेसडर विद्या बालन एक बार फिर जुड़कर बाल शोषण पर चुप्पी तोड़ने और बच्चों की सुरक्षा के प्रति वयस्कों को जिम्मेदार बनाने का आह्वान कर रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की ह्याक्राइम इन इंडिया 2024 रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र में पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में लगभग 9.2% की वृद्धि हुई है (2023 में 8,639 से बढ़कर 2024 में 9,432 मामले), जिनमें अकेले मुंबई में 1,416 मामले दर्ज किए गए। ये आँकड़े 2012 में लागू हुए पॉक्सो अधिनियम के प्रति व्यापक जागरूकता और त्वरित रिपोर्टिंग की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

पिछले वर्ष #पॉक्सोपकड़लेगा थीम के तहत चलाए गए अभियान को जबरदस्त सफलता मिली थी, जो देशभर में 17.3 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुँचा। अभियान के बाद किए गए आकलन में पॉक्सो कानून के प्रति जागरूकता 20% से बढ़कर 47% हो गई, जबकि बाल शोषण को कानूनन दंडनीय मानने वालों की संख्या 52% से बढ़कर 75% दर्ज की गई। इसी मुहिम को आगे बढ़ाते हुए, इस वर्ष #रुकजाओवरनापॉक्सोपकड़लेगा अभियान के माध्यम से संभावित अपराधियों को सीधा सचेत किया जा रहा है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि बच्चे को गलत नजर से देखना, गलत तरीके से छूना, अनुचित सामग्री दिखाना या उनकी आपत्तिजनक तस्वीरें/वीडियो बनाना, रखना व साझा करना पॉक्सो अधिनियम के तहत गंभीर दंडनीय अपराध हैं। अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अर्पण की संस्थापक और सीईओ पूजा तापड़िया ने कहा, चुप्पी बच्चों की रक्षा नहीं करती; केवल जागरूकता, समय पर हस्तक्षेप और जवाबदेही ही उन्हें सुरक्षित रख सकती है। अक्सर लोगों को यह पता ही नहीं होता कि कई अनुचित व्यवहार भी पॉक्सो के दायरे में दंडनीय अपराध हैं। इस वर्ष हम स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि ऐसे आपराधिक व्यवहारों को तुरंत रोकें, वरना #पॉक्सोपकड़लेगा।

मुख्यमंत्री ने योगी की पाती काफी टेबल बुक का विमोचन और इस संवाद यात्रा पर आधारित एक प्रदर्शनी का वर्चुअल उद्घाटन किया

बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि योगी की पाती केवल एक लेख अथवा सरकारी संदेश नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के साथ आत्मीय संवाद का माध्यम है। इसके माध्यम से युवाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं, अन्नदाता किसानों, श्रमिकों और समाज के प्रत्येक महत्वपूर्ण तबके से जुड़े विषयों को आमजन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। शासन की योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचना आवश्यक है, ताकि कोई भी व्यक्ति जानकारी के अभाव में अपने अधिकारों और सुविधाओं से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर योगी की पाती काफी टेबल बुक के विमोचन और इस संवाद यात्रा पर आधारित एक प्रदर्शनी के वर्चुअल उद्घाटन अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मीडिया संस्थानों ने योगी की पाती के विगत 50 संस्करणों को अपने समाचार पत्रों और विजुअल मीडिया में स्थान देकर इस आत्मीय संवाद को आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सार्वजनिक जीवन में 28-29 वर्षों के अनुभव के दौरान उन्होंने महसूस किया कि समाज में ऐसे अनेक विषय और वर्ग हैं, जिनके बारे में आम नागरिकों को पर्याप्त जानकारी नहीं है। शासन की व्यस्तताओं के बीच भी यह विचार रहा कि उन अनछुए पहलुओं को सामान्य नागरिकों के सामने कैसे लाया जाए और समाज के उन लोगों से संवाद कैसे स्थापित किया जाए। इसी उद्देश्य से योगी की पाती के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों और उनके जीवन से जुड़े वास्तविक विषयों को स्थान देने का प्रयास किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने वनटांगिया समुदाय का उदाहरण देते हुए कहा कि बहुत से लोग इस समुदाय के बारे में पहले जानते भी नहीं थे, जबकि यह समाज लम्बे समय से हमारे बीच रह रहा था। लगभग 120 वर्ष पहले ब्रिटिश शासन के दौरान रेलवे लाइन बिछाने के लिए बड़े पैमाने पर वनों की कटाई की गई थी। इसके बाद वन लगाने और उनकी रक्षा करने के उद्देश्य से कुछ परिवारों को जंगलों में बसाया गया। उन्हें आश्वासन दिया गया था कि वे वन लगाएंगे और उनकी देखभाल करेंगे, जिसके बदले उन्हें आजीविका के लिए कुछ भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। समय के साथ पेड़ बड़े होते गए, लेकिन उन परिवारों की उपेक्षा होती गई। स्वतंत्रता के बाद भी इन बस्तियों में रहने वाले लोगों को सामान्य नागरिकों जैसी सुविधाएं और अधिकार प्राप्त नहीं हुए। उनके पास पक्के मकान, बिजली, पानी और राशन कार्ड तक की व्यवस्था नहीं थी। वे अपने ग्राम प्रधान का चुनाव करने और सामूहिक रूप से सामान्य सामाजिक जीवन जीने के अधिकार से भी वंचित थे।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2005-06 की एक घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि जनपद महराजगंज में यात्रा के दौरान उन्होंने जंगलों के बीच रहने वाले वनटांगिया परिवारों का एक जुलूस देखा। जिज्ञासावश उन्होंने वाहन रुकवाकर लोगों से बातचीत की। उन लोगों ने बताया कि वे अपनी समस्याओं को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करने जा रहे हैं। उनके पास संसाधनों का अभाव था, वे फटे-पुराने कपड़ों में और नंगे पैर चल रहे थे। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि बातचीत में यह भी सामने आया कि कुछ बाहरी तत्व उन्हें उनके वास्तविक मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने तत्काल महराजगंज में अपने कार्यकताओं से उन लोगों के रात्रि में भोजन और ठहरने की व्यवस्था कराने तथा जिलाधिकारी को देने के लिए उनका ज्ञापन तैयार कराने को कहा। इसके बाद उन परिवारों से विस्तार से संवाद किया और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनटांगिया परिवारों ने उन्हें बताया था कि उनकी बस्तियां जनपद महराजगंज के 18 गांवों, गोरखपुर के 05 गांवों तथा सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, गोंडा, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत सहित अन्य जनपदों में भी हैं। इन परिवारों की स्थिति और उनके अधिकारों का विषय लेकर उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह से मुलाकात की और वन अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता बताई।

पाकिस्तान की जेल में इमरान खान की बिगड़ती सेहत, न्यायाधीशों से लगाई गुहार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने चेतावनी दी कि उनकी बिगड़ती सेहत के कारण ऐसी स्थिति आ सकती है, जहां से वह "जिंदा वापस नहीं लौट सकेंगे।" उन्होंने देश के शीर्ष न्यायाधीशों से अपनी और अपनी पत्नी बुशरा बीबी के लिए उपचार सुनिश्चित करने की अपील की। खान ने सोमवार को सार्वजनिक किए गए एक खुले पत्र में पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय, संघीय संवैधानिक न्यायालय और इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों से अपने उपचार और जेल की परिस्थितियों से संबंधित अदालत के पूर्व आदेशों को लागू करने का अनुरोध किया।

खान के वकील सलमान सफदर ने पिछले सप्ताह अदियाला जेल में उनसे मुलाकात के बाद 'एक्स' पर यह पत्र साझा किया। खान ने 11 नवंबर को हुई इस मुलाकात के दौरान सफदर से कहा था कि वह उनके शब्दों को "अपने माननीय न्यायाधीशों तक पहुंचाएं।" सफदर ने पत्र में लिखा, "मैंने यह पत्र पूरी ईमानदारी से और केवल इन्हीं निदेर्शों के तहत पहुंचाया है। आगे लिखे गए शब्द उनके (खान के) हैं।" इस पत्र पर सफदर के हस्ताक्षर भी हैं। खान ने पत्र में कहा, "74 साल की उम्र में यह लगातार प्रताड़ना मुझे ऐसी स्थिति में पहुंचा रही है,



जहां से शायद मैं जिंदा वापस न लौट सकूं।" पूर्व क्रिकेटर से राजनेता बने खान पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापक हैं। वह 2023 से जेल में बंद हैं और भ्रष्टाचार व हिंसा भड़काने के आरोपों सहित 100 से अधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 17 जनवरी 2025 को एक अलग मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें दंपति को सजा सुनाई गई थी। खान ने पत्र में कहा कि लंबे समय तक एकांत कारावास में रखे जाने और चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने के कारण उनकी सेहत बिगड़ गई। उन्होंने आरोप लगाया कि 20 दिसंबर 2025 से उन्हें लंबे समय तक एकांत कारावास में रखा गया है और दिन में 22 घंटे तक बाहरी दुनिया से अलग रखा जाता है।

खान ने कहा कि इस दौरान उन्हें परिवार के सदस्यों, वकीलों, अपने बेटों से फोन पर बात करने, किताबें पढ़ने या टेलीविजन देखने की अनुमति नहीं दी गई। पूर्व प्रधानमंत्री ने दावा किया कि इस साल उन्हें अपने वकीलों से केवल चार बार मिलने की अनुमति दी गई जबकि बुशरा बीबी को अपने वकील से केवल एक बार मिलने दिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जेल प्रशासन ने बार-बार उन्हें अपनी पत्नी से साप्ताहिक मुलाकात करने से रोका और अदालत के आदेशों के बावजूद उनके बेटों कासिम व सुलेमान को उनसे फोन पर बात नहीं करने दी। खान ने कहा कि जेल के चिकित्सा बोर्ड ने उनकी चिंता व बेचैनी की परेशानी को समझा था और पत्नी व परिवार के सदस्यों से अधिक बार मुलाकात करने के साथ-साथ किताबें पढ़ने व टेलीविजन देखने की सुविधा देने की सिफारिश की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इन सिफारिशों को लागू नहीं किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री ने पत्र में लिखा, "जेल में किसी को भी मुझे जवाब देने या मुझसे बात करने की अनुमति नहीं है। ऐसा तब भी होता है, जब मैं उन्हें सलाम (अभिवादन) करता हूं या कुरान की कोई आयत पढ़ता हूं। मैं केवल यही निष्कर्ष निकाल सकता हूं कि इसका उद्देश्य मुझे बीमार करना और मेरा मनोबल तोड़ना है।" उन्होंने अपनी पत्नी की सेहत को लेकर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि बुशरा की आंखों की रोशनी लगातार कमजोर हो रही है तथा उन्हें आंखों की एक और सर्जरी की जरूरत है।

जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत स्वगणना का शुभारंभ

16 से 30 नवंबर तक नागरिक स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे अपनी जानकारी

बलरामपुर। जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत स्वगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) का आज दिनांक 16 नवंबर 2026 से शुभारंभ हो गया है। यह अभियान 30 नवंबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस अवधि में नागरिक डिजिटल माध्यम से स्वयं अपने परिवार से संबंधित आवश्यक जानकारियां जनगणना पोर्टल पर दर्ज कर सकेंगे। इसी क्रम में जनपद बलरामपुर में स्वगणना अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन, व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता की अध्यक्षता में संबंधित विभागीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रभारी जिलाधिकारी ने स्वगणना अभियान के सफल संचालन हेतु निर्धारित कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की तथा 16 नवंबर से 30 नवंबर तक प्रतिदिन आयोजित की जाने वाली विभागवार जागरूकता गतिविधियों पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद के सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी अनिवार्य रूप से अपनी स्वगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी स्वयं स्वगणना की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए अपने परिवार के सदस्यों, परिचितों एवं आमजन को भी इसके लिए प्रेरित करें।

उन्होंने कहा कि जनगणना एक



अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। स्वगणना की सुविधा से नागरिकों को स्वयं अपनी जानकारी डिजिटल माध्यम से दर्ज करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इससे जनगणना प्रक्रिया में पारदर्शिता, सुगमता एवं नागरिक सहभागिता को बढ़ावा मिलेगा।

बैठक में प्रभारी जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक दिन संबंधित विभाग अपने स्तर पर विशेष जागरूकता गतिविधियां आयोजित करें तथा अधिक से अधिक लोगों को स्वगणना के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत राजस्व एवं प्रशासन, स्थानीय शासन, युवा एवं खेल, विशिष्ट समूहों, न्यायिक संस्थाओं, केंद्रीय सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य विभाग, उद्योग एवं व्यापार, स्वयं सहायता समूहों, डिजिटल सेवाओं तथा कृषि एवं किसान संगठनों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 नवंबर को राजस्व एवं प्रशासन दिवस के अंतर्गत समस्त विभागों एवं कार्यालयों में स्वगणना का शुभारंभ किया जाएगा। 17 नवंबर को स्थानीय शासन एवं ग्रामीण विकास दिवस के अंतर्गत नगरीय निकायों, पंचायतों एवं ग्राम स्तर पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। 18 नवंबर को युवा एवं खेल दिवस के अंतर्गत विद्यालयों, महाविद्यालयों, युवा संगठनों एवं खेल संस्थाओं के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। 19 नवंबर को विशिष्ट समूहों के लिए तथा 20 नवंबर को न्यायिक दिवस के अंतर्गत संबंधित संस्थाओं में स्वगणना संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसी प्रकार 21 नवंबर को विशेष कार्यस्थलों, 22 नवंबर को केंद्रीय सरकारी कार्यालयों, 23 नवंबर को शिक्षा दिवस, 24 नवंबर को स्वास्थ्य दिवस तथा 25 नवंबर को उद्योग एवं परिवहन दिवस के अंतर्गत संबंधित विभागों द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

26 नवंबर को महिला एवं स्वयं सहायता समूह दिवस के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से महिलाओं को स्वगणना के लिए प्रेरित किया जाएगा। 27 नवंबर को डिजिटल एवं विशेष आवश्यकता दिवस के अंतर्गत डिजिटल सहायता केंद्रों तथा प्रशिक्षित कार्मिकों के माध्यम से नागरिकों को आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा। 28 नवंबर को घर में काम करने वाले व्यक्तियों को जागरूक करने, 29 नवंबर को गौरव दिवस के अंतर्गत लक्षित समूहों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा 30 नवंबर को किसान दिवस के अंतर्गत किसानों एवं कृषि से जुड़े संगठनों के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा। प्रभारी जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के माध्यम से स्वगणना अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यालयों, ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, स्वास्थ्य संस्थानों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर आमजनमास को स्वगणना की प्रक्रिया एवं इसके महत्व की जानकारी दी जाए।

विदिशा में दुष्कर्म आरोपी के मकान पर चला बुलडोजर, आरा मशीन भी उखाड़ी, इलाका छावनी में तब्दील



विदिशा। मध्य प्रदेश